खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | बुधवार, 15 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-193

शाबाद हत्याकांड

पुलिस कटघरे में

शाबाद (रंगा रेड्डी) 14 जुलाई

रंगारेड्डी जिले के शाबाद क्षेत्र में हुए हाईलेवल चर्चित हत्याकांड ने पूरे राज्य को झकझोर दिया था, 6 लोगों की नृशंस हत्या के बाद अब मुख्य आरोपी राजकुमार की मौत ने मामले को और रहस्यमय बना दिया है। आरोपी की मृत्यु के साथ उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा आगे नहीं बढ़ेगा, लेकिन छह मासूम जिंदगियां कैसे खत्म हुईं ?

क्या यह घटना रोकी जा सकती थी और क्या पहले दर्ज शिकायतों पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती तो यह रक्तपात टल सकता था।इन सवालों के जवाब अब भी बाकी हैं। इन्हीं पहलुओं की निष्पक्ष जांच अब पुलिस और जांच एजेंसियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है।

पुलिस के अनुसार, मासुम 6 जिंदगीयों को खत्म के बाद फरार चल रहे राजकुमार का शव 13 जुलाई को कोत्तुर मंडल के पेंजरला क्षेत्र के पास मिला। घटनास्थल से कीटनाशक की एक बोतल बरामद हुई, जिसके आधार पर प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई गई। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मृत्यु का वास्तविक कारण केवल पोस्टमार्टम, विसरा परीक्षण और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही आधिकारिक रूप से तय किया जाएगा। इसलिए इस समय आत्महत्या को अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता।

14 जुलाई देर रात तक चेवेल्ला स्थित सरकारी अस्पताल में आरोपी राजकुमार के शव का पोस्टमार्टम पूरा किया गया। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार शव परिजनों को सौंपने का प्रयास किया। हालांकि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, परिजनों ने शव लेने से इनकार करते हुए पुलिस को बताया कि उनका राजकुमार से कोई संबंध नहीं है। इसके बाद पुलिस ने विधिक प्रक्रिया के तहत अंतिम संस्कार की आगे की कार्रवाई की। वहीं, विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और फॉरेंसिक जांच के लिए आवश्यक नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं। अंतिम वैज्ञानिक रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारण पर आधिकारिक निष्कर्ष सामने आएगा। जांच एजेंसियां आरोपी के मोबाइल फोन, कथित सेल्फी वीडियो, कथित सुसाइड नोट तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी गहन जांच कर रही हैं। यदि ये सामग्री फॉरेंसिक परीक्षण में प्रमाणित होती है, तो इससे हत्या के पीछे की परिस्थितियों, आरोपी की मानसिक स्थिति और घटनाक्रम की समय-रेखा को समझने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। फिलहाल इन सभी साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच जारी है।

इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की पूर्व कार्रवाई भी जांच के केंद्र में है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मृतक नाबालिग से जुड़े पहले दर्ज पोस्को मामले में आरोपी को जमानत मिल चुकी थी। इसी कारण पुलिस की शुरुआती जांच, निगरानी और कार्रवाई को लेकर सार्वजनिक स्तर पर कई सवाल उठ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कथित आर्थिक लेनदेन और पुलिस की भूमिका को लेकर आरोप भी लगाए गए हैं, लेकिन इन आरोपों की अब तक किसी सक्षम जांच एजेंसी या न्यायालय द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन्हें स्थापित तथ्य नहीं माना जा सकता और जांच पूरी होने तक इन्हें केवल आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

कानूनी दृष्टि से आरोपी की मृत्यु होने के कारण उसके विरुद्ध अभियोजन आगे नहीं बढ़ सकेगा, लेकिन इससे छहहरे हत्याकांड की जांच समाप्त नहीं होती। पुलिस को सभी भौतिक, डिजिटल और वैज्ञानिक साक्ष्यों का विश्लेषण कर अंतिम जांच रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करनी होगी। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता, लापरवाही या कर्तव्य में चूक सामने आती है, तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। समाचार लिखे जाने तक की शाम तक आधिकारिक स्थिति यही है कि पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है, अंतिम पोस्टमार्टम एवं फॉरेंसिक रिपोर्ट की प्रतीक्षा है, डिजिटल साक्ष्यों की जांच जारी है और पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। अब समाज की अपेक्षा यही है कि जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी हो तथा छह मासूम जिंदगियों की मौत से जुड़े हर प्रश्न का तथ्यात्मक उत्तर सामने आए।

ट्रंप यू-टर्न

अब शुल्क नहीं सौदा

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर 20 प्रतिशत कार्गो शुल्क लगाने के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया। ट्रंप ने कहा कि अब इसकी जगह खाड़ी (गल्फ) देशों के साथ बड़े व्यापार और निवेश समझौते किए जाएंगे, जो अमेरिका के लिए कहीं अधिक लाभदायक साबित होंगे। ट्रंप ने दावा किया कि इन समझौतों के तहत अमेरिका में भारी निवेश होगा और इससे लाखों नए रोजगार पैदा होंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ हुई बेहद सकारात्मक बातचीत के बाद उन्होंने 20 प्रतिशत अमेरिकी प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने का फैसला बदल दिया है। उसकी जगह अब खाड़ी देशों के साथ व्यापार और निवेश समझौतों पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इन निवेशों का आकार बहुत बड़ा होगा। इससे अमेरिका में नई फैक्ट्रियां और इंडस्ट्री स्थापित होंगी, जिससे अच्छी सैलरी वाली नौकरियां पैदा होंगी।

ट्रंप ने सोमवार को ऐलान किया था कि अमेरिका हॉर्मुज जलडमरूमध्य का गार्जियन बनेगा और इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले सभी कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा। उनका तर्क था कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका उठा रहा है, इसलिए इसकी लागत की भरपाई अन्य देशों को करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य सभी देशों के लिए खुला रहेगा, लेकिन ईरान के जहाजों और ईरानी कार्गो पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सेना की वजह से हॉर्मुज जलडमरूमध्य सुरक्षित है और तेल की आपूर्ति पहले से कहीं अधिक सुचारु रूप से जारी है। उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन, सेंटकॉम प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर और अमेरिकी सशस्त्र बलों की सराहना की। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान से जुड़े जहाजों और ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले कार्गो पर पूर्ण नाकेबंदी लागू रहेगी।

ईरान ने किया कड़ा विरोध

ट्रंप की घोषणा के तुरंत बाद ईरान ने अमेरिका की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने 20 प्रतिशत शुल्क के प्रस्ताव पर तंज कसते हुए कहा था, 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है, हम निष्पक्ष रहेंगे। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने भी साफ कहा कि वह अमेरिका को हॉर्मुज जलडमरूमध्य का नियंत्रण या निगरानी नहीं करने देगी। तेहरान ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी सेना ने ईरान की अनुमति के बिना इस जलमार्ग में हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। साथ ही क्षेत्रीय देशों को भी अमेरिका के साथ सहयोग न करने की चेतावनी दी गई।

तनाव के बीच ट्रंप ने बदली रणनीति

ट्रंप का यह नया फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। ▶8पर

सऊदी-हूती नया मोर्चा

दुविधा में पाक, दोस्ती का इम्तेहान

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और सऊदी अरब की दोस्ती का इम्तिहान एक बार फिर होने वाला है। पश्चिम एशिया में लड़ाई का एक और मोर्चा खुलता दिख रहा है। कई वर्षों से सीजफायर का पालन कर रहे सऊदी अरब और यमन विद्रोही फिर से एक-दूसरे पर हमला करने लगे हैं। इससे पाकिस्तान की भूमिका पर फिर से ध्यान गया है, जिसने पिछले साल सऊदी अरब के साथ आपसी रक्षा समझौता किया था और तब से उस देश में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या पाकिस्तान, जो पहले से ही बलूचिस्तान में विद्रोह और अफ़गानिस्तान सीमा पर तनाव से जूझ रहा है, हूतियों के खिलाफ लड़ाई में रियाद का साथ देगा।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे पर हुए बाहरी हमले की दिशा में एक-दूसरे को सैन्य सहायता देंगे। ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि सऊदी अरब के अभा एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद क्या पाकिस्तान सऊदी की मदद के लिए आगे आएगा।

इस सवाल को समझने से पहले ताजा विवाद को समझना जरूरी है। सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच ताजा संकट की शुरुआत रविवार को हुई, जब ईरान का एक विमान यमन के सना एयरपोर्ट पर उतर रहा था। सऊदी समर्थित यमनी सरकार का आरोप था कि इस विमान के जरिए हूतियों तक सैन्य उपकरण और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचाए जा रहे हैं। इस विमान को लैंड होने से रोकने के लिए सऊदी समर्थित यमनी सरकार ने रनवे को ही उड़ा दिया ताकि ईरान का विमान लैंड न कर सके। रनवे की हालत इतनी खराब हो गई कि इस विमान को दूसरे एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। ▶8पर

बागियों की उँगलियाँ घी में

मिलेगी अलग पहचान

शिंदे दिल्ली में, बिरला से मिले टीएमसी सांसद

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)।

उद्धव ठाकरे से बगावत कर उनके साथ आए छह सांसदों के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को दिल्ली पहुंच गए। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे भी इस दौरान उनके साथ हैं। महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से शिंदे का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शिवसेना सूत्रों के मुताबिक, संसद के मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले लोकसभा सचिवालय की ओर से इन छह बागी सांसदों को संसद में अलग गुट की मान्यता मिल सकती है या शिंदे गुट में विलय को लेकर औपचारिक घोषणा की जा सकती है। बता दें कि उद्धव गुट के बागी सांसदों ने 17 जून को लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर मांग की थी कि उन्हें अलग समूह माना जाए। इस बात की ज्यादा संभावना है कि बागी सांसदों को अलग गुट की मान्यता मिल सकती है। यदि ऐसा होता है तो लोकसभा में शिंदे गुट की स्थिति जहां मजबूत हो जाएगी, वहीं उद्धव ठाकरे गुट के लिए यह एक और बड़ा राजनीतिक झटका साबित होगा। मुंबई में एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ बैठक के बाद एकनाथ शिंदे अपने दिल्ली दौरे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में केंद्रीय कैबिनेट में पार्टी की भागीदारी पर मुहर लग सकती है। माना जा रहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रिमंडल फेरबदल में शिंदे को एक कैबिनेट और एक राज्य मंत्री का पद मिल सकता है।

▶8पर

अभिषेक बनर्जी ने दायर कीं 20 याचिकाएं

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए लोकसभा सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान संसद के निचले सदन में पार्टी के 20 सांसदों के बैठने की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष से हुई मुलाकात के दौरान एनसीप-ीआाई के नेताओं ने नए संसद भवन में पार्टी कार्यालय आवंटित करने के मुद्दे पर भी बातचीत की। टीएमसी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए सांसदों ने ओम बिरला को बताया कि उन्होंने सुदीप बंद्योपाध्याय को अपना सदन नेता, शताब्दी रॉय को उपनेता और काकोली घोष दस्तीदार को मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। यह मुलाकात संसद के मानसून सत्र से पहले हुई है। साथ ही यह उस समय हुई है, जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में एनसीपीआई को एक घटक दल के रूप में संसदीय मान्यता देने की प्रक्रिया चल रही है। एक सूत्र ने बताया कि सुदीप बंद्योपाध्याय ने हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। ▶8पर

अयोध्या चढ़ावाकाँड

पोता बाकी सिलक डेली

अयोध्या,14 जुलाई (एजेंसियां)।

रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने वित्तीय व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार, अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन को ट्रस्ट के खातों की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद चंदन राय और जगदीश आफले ने सहयोगी के रूप में अकाउंट सिस्टम का संचालन संभाल लिया है। दोनों अधिकारियों ने कामकाज शुरू कर दिया है। वित्तीय प्रक्रियाओं को नई व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि सबसे बड़ा बदलाव दैनिक ऑडिट (डेली ऑडिट) व्यवस्था के रूप में किया गया है। अब मंदिर में होने वाली आय और व्यय

का हर दिन मिलान और ऑडिट किया जा रहा है। पहले नियमित रूप से रोजाना ऑडिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन नई प्रणाली में प्रत्येक दिन के वित्तीय लेन-देन का उसी दिन सत्यापन और लेखा-जोखा तैयार किया जा रहा। नई व्यवस्था के तहत दान, प्रसाद, काउंटरों से होने वाली आय सहित सभी वित्तीय मदों का ▶8पर

मात्र 3 करोड़ की ही चोरी!

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा है कि जहां तक उनका अनुमान है, करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई है। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। मैं छत्रपति शिवाजी महाराज का अनुयायी हूं। मैं मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं हूं। उन्होंने कहा कि चंपत राय ने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया। यह कहना सही नहीं होगा कि उन्हें बलि का बकरा बनाया गया। लेकिन उन्होंने लापरवाही बरती। उन्हें खुद इसका एहसास हुआ और इसलिए उन्होंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया। ▶8पर

एचएमडीए में घूसखोरी

करोड़ों का मालिक अफसर

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) बी. रविंद्र को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीमों ने रविंद्र के आवास, कार्यालय और उनके रिश्तेदारों व करीबियों से जुड़े 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस तलाशी में 9.24 करोड़ रुपये (सरकारी मूल्यांकन के अनुसार) की चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि इन संपत्तियों का वास्तविक बाजार मूल्य इस आंकड़े से कहीं अधिक है। एसीबी ने रविंद्र के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया है। उन पर सेवाकाल के दौरान भ्रष्ट तरीकों से बेहिसाब संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

▶8पर

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश में बाढ़ का कहर : मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

ढाका

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है, जबकि 10 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। हजारों परिवार अब भी जलभराव के बीच फंसे हुए हैं और राहत-बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

बांग्लादेश सरकार के अनुसार चट्टोग्राम, काक्स बाजार, बांदरबन, रंगामाटी, खगराछड़ी, मौलवीबाजार और हबीगंज जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक अब तक 2,67,918 परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि करीब 50 हजार लोगों को राहत शिविरों में सुरक्षित पहुंचाया गया है।

काक्स बाजार सबसे ज्यादा प्रभावित, रोहिंग्या शिविरों पर भी संकट

सबसे अधिक तबाही काक्स बाजार में हुई है, जहां अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। यही इलाका 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का भी आश्रय स्थल है। पिछले सप्ताह भूस्खलन में एक दर्जन से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों की जान चली गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने लाउडस्पीकर और वालंटियर्स की मदद से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

राहत कार्य तेज, सेना-नौसेना तैनात आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री इकबाल हुसैन ने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री, पीने का पानी और दवाइयां पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। सेना और नौसेना के जवान नावों के जरिए दूर-दराज के इलाकों में खाद्य सामग्री, पेयजल और आवश्यक दवाइयां पहुंचा रहे हैं। हालांकि बिजली आपूर्ति ठप होने, सड़कों और पुलों के क्षतिग्रस्त होने तथा संचार व्यवस्था बाधित होने से राहत और बचाव कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों के सामने भोजन का संकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के सामने भोजन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। चट्टोग्राम के निवासी नुरुल इस्लाम ने बताया कि उनके घर में अब भी पानी भरा हुआ है और खाना बनाने का कोई साधन नहीं बचा है। सूखा राशन भी खत्म हो चुका है और बिजली नहीं होने के कारण परिवार अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर है।

अधिकांश प्रभावित परिवार फिलहाल चिउड़ा, मुरमुरा, बिस्कुट और अन्य सूखे खाद्य पदार्थों के सहारे जीवनयापन कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन को माना जा रहा बड़ी वजह

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को भारी बारिश में कुछ कमी आने की संभावना है, लेकिन देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी रह सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप का बड़ा दावा- मोजतबा 90 फीसदी खत्म अब कुछ नहीं बचा

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद विवादास्पद और बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। इस बयान के साथ ही ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर भी बड़ा हमला बोला, यह कहते हुए कि ईरान पहले ही अपनी नौसेना, वायुसेना, वायु रक्षा प्रणाली और अपने शीर्ष सैन्य कमांडरों को खो चुका है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के दौरान ईरान की सैन्य शक्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। यह दावा ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला तेज हो गया है, जिससे दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। मोजतबा खामेनेई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने फाक्स न्यूज पर कहा कि ईरान के बड़े-बड़े नेता जा चुके हैं, और अब उनके बेटे भी 90 फीसदी खत्म हैं। गौरतलब है कि अपने पिता की मृत्यु के बाद मोजतबा को ईरान का अगला सुप्रीम लीडर नामित किया गया था। हालांकि, पिछले काफी समय से वे सार्वजनिक जीवन से नदारद हैं, और यहाँ तक कि अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुए थे, जिससे उनकी नामौजूदगी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, मोजतबा खामेनेई को कथित तौर पर अमेरिकी हमले में गहरी चोटें लगी हैं और वे इससे उबरने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का यह बयान होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रहे संघर्ष के बीच आया है, जहां ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर और शिपिंग कंपनियों को डराकर अपने दबदबे को बनाए रखने का प्रयास किया है।

अमेरिका की रणनीतिक चुनौती: मिसाइल भंडार घटने की आशंका ने बढ़ाई चिंता

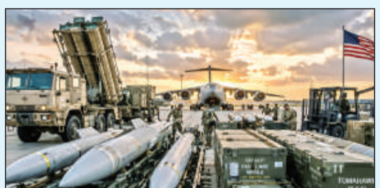

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर नई चिंताएं सामने आने लगी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान के साथ संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो इसका असर केवल मौजूदा युद्ध तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अमेरिका की भविष्य की सैन्य क्षमता और वैश्विक रणनीतिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। खासतौर पर उन्नत मिसाइल प्रणालियों के तेजी से उपयोग के कारण हथियारों के भंडार पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि मौजूदा सैन्य अभियान लंबे समय तक चलता है तो अमेरिका के लिए अपने उन्नत हथियारों का पर्याप्त भंडार बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसी स्थिति में भविष्य में चीन या उत्तर कोरिया जैसे संभावित प्रतिद्वंद्वियों के साथ किसी बड़े संघर्ष की स्थिति में सैन्य तैयारियों पर असर पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि संघर्षविराम का दौर समाप्त हो चुका है। ऐसे में आने वाले दिनों में सैन्य गतिविधियां और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। युद्ध के शुरुआती चरण में अमेरिकी सेना ने लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइलों और आधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इसी कारण थाड़ बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर, पैट्रियट एयर डिफेंस इंटरसेप्टर और टामहाक क्रूज मिसाइलों के भंडार पर दबाव बढ़ा है।

दक्षिण चीन सागर में चीन को 14 देशों ने घेरा, जबाव में जे-16 से शक्ति प्रदर्शन

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में चीन को इन दिनों गंभीर अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। जापान के नेतृत्व में 14 देशों के बड़े समूह ने उसकी समुद्री दावेदारी के खिलाफ एकजुटता दिखाई है, इसके जवाब में बीजिंग अपनी सैन्य ताकत को दिखाकर जे-16 फाइटर प्लेन की नई मारक क्षमता को उजागर कर रहा है। यह घटनाक्रम चीन पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और उसकी आक्रामक प्रतिक्रिया को दिखाता है। यह सब 2016 में आए अंतरराष्ट्रीय पंचाट के उस ऐतिहासिक फैसले की 10 वर्षगांठ के मौके पर हुआ है, इससे दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक दावों को अंतरराष्ट्रीय कानून में निराधार बताया था। जापान, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन और फिलीपींस सहित 14 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर पंचाट के फैसले को अंतिम, बाध्यकारी और वैधानिक करार दिया।

अमेरिका-ईरान के हमलों से धधक उठा होर्मुज, भारतीय नागरिक की मौत

तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका ने लगातार तीसरी रात ईरान के बंदरगाह शहरों और अन्य स्थानों पर जोरदार हमले किए हैं। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर सेना ने एक साथ ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया। अमेरिकी हमले के जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दो टैंकरों पर मिसाइल से हमला कर दिया। इस हमले में क्रू मेंबर भारतीय नागरिक की मौत हो गई। यूएई रक्षा मंत्रालय ने ईरानी मिसाइलों से कई गए हमले में भारतीय नागरिक के मारे जाने की पुष्टि की है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकाम ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर ईरान पर किए गए ताजा हमले से बंदर अब्बास बंदरगाह शहर, किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। ईरान ने इसकी पुष्टि की है। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरानी मिसाइलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के समुद्री इलाके में उसके दो टैंकरों पर हमला किया। हमले में एक क्रू मेंबर की मौत हो गई। हताहत क्रू मेंबर भारतीय नागरिक है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान के हमले में आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें छह भारतीय नागरिक और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है। सेंटकाम ने घोषणा की है कि वह मंगलवार शाम चार बजे (पूर्वी समय) से ईरानी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले जहाजों की नौसैनिक नाकाबंदी फिर से शुरू करेगा। इस खबर के बाद दुनिया भर में तेल की कीमतों में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अमेरिका और ईरान के बीच शुरू ताजा सैन्य टकराव से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच फिर से हमले शुरू हो गए हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि अनौपचारिक युद्धविराम खत्म हो गया है। सऊदी अरब ने कहा कि उसने हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोका, जबकि हूतियों ने कहा कि सऊदी हवाई हमलों में सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निशाना बनाया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा में मंगलवार सुबह कम से कम एक दर्जन अमेरिकी सैन्य विमान यूएई के तट के पास फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और सऊदी अरब के ऊपर चक्कर लगाते हुए देखे गए। इसी समय सेंटकाम ने लगातार तीसरी रात ईरान पर हमलों की एक और लहर की घोषणा की। पूर्वी समयानुसार रात 8:00 बजे (ईरान के समय के अनुसार सुबह 3:30 बजे) तक हवा में मौजूद विमानों में नौ केसी-135आर और दो केसी-46ए रीफ्यूलिंग टैंकर शामिल थे। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा में कई खुफिया और निगरानी विमान भी दिखे। इनमें एक ई3-बी सेंट्री एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम प्लेन और अमेरिकी नौसेना का पोसीडान पी-8 समुद्री निगरानी विमान शामिल था। ई3-बी 120,000 वर्ग मील के युद्ध क्षेत्र की हवाई निगरानी करने में सक्षम है। यह एक बार में लगभग 600 लक्ष्यों को वेध सकता है । रीफ्यूलिंग विमान लंबे समय तक चलने वाले आपरेशन के दौरान फाइटर जेट और अन्य हमलावर विमानों को हवा में बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं, क्योंकि इनकी मदद से विमानों को बिना जमीन पर उतरे ईंधन भरने की सुविधा मिलती है। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कंजर्वेटिव रेडियो के साथ साक्षात्कार में कहा, हम जोरदार हमला करने जा रहे हैं और कल भी उन पर जोरदार हमला करेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने समझौते का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि अंततः होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का नियंत्रण होगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ संघर्ष में अमेरिका जिन देशों की मदद कर रहा है, उन्हें खर्च चुकाना चाहिए। उन्होंने इस क्षेत्र में कई सहयोगी देशों का नाम लिया, जिनमें इजराइल, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ईरानी मीडिया की मंगलवार सुबह (स्थानीय समय) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के साथ-साथ किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर भी धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरानी सेना ने कहा कि अमेरिका ने ड्रोन हमले किए।

नेपाल में मीडिया संस्थानों के बाहर संदिग्ध वाहनों की मौजूदगी पर सत्तारूढ़ दल आरएसपी ने जताई कड़ी चिंता

काठमांडू

नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने विभिन्न मीडिया संस्थानों के कार्यालयों के बाहर संदिग्ध वाहनों के खड़े किए जाने की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पत्रकारों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की ऐसी कोशिशें लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं।

एक बयान में आरएसपी के महासचिव बिपिन कुमार आचार्य ने कहा कि मीडिया हाउसों के बाहर अज्ञात वाहनों को खड़ा करना प्रेस को डराने-धमकाने और भय का माहौल बनाने का अस्वीकार्य प्रयास है।

पार्टी ने प्रेस की स्वतंत्रता, नागरिकों के सूचना पाने के अधिकार और स्वतंत्र पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने, पत्रकारों में भय पैदा करने या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में प्रेस की भूमिका को कमजोर करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बयान में कहा गया, स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की जीवनरेखा है। पार्टी ने मीडिया क्षेत्र को डराने-धमकाने वाली सभी गतिविधियों की कड़ी निंदा की।

आरएसपी ने सरकार, गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों से इस घटना की तत्काल, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने, मीडिया संस्थानों की शारीरिक एवं मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, इसमें संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

साथ ही, पार्टी ने पत्रकारों से किसी भी प्रकार के दबाव या धमकी के आगे झुके बिना तथ्यों पर आधारित पत्रकारिता जारी रखने की अपील करते हुए उनकी सुरक्षा और पूर्ण प्रेस स्वतंत्रता के प्रति अपना समर्थन दोहराया है।

नेपाल के सभी प्रमुख मीडिया संस्थानों के बाहर संदिग्ध हालत में मुख्य द्वार पर अज्ञात लोगों द्वारा गाड़ी की पार्किंग कर दी गई थी। इस कार्य को प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह और गृहमंत्री सुदन गुरूंग के करीबी लोगों ने जायज ठहराया था जबकि बाकी सभी ने इसका विरोध किया। अपनी ही पार्टी के कुछ लोगों की संलिप्तता के बाद आलोचनाओं से घिरी आरएसपी ने बयान जारी कर सफाई दी है।

मिस्र में मिले चौथी शताब्दी के प्राचीन शहर

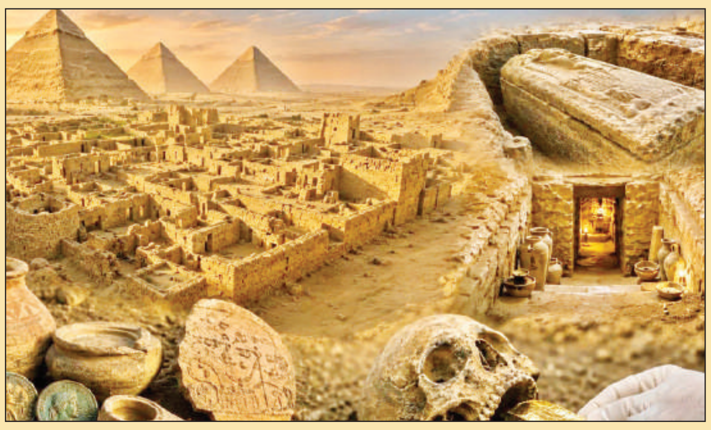

काहिरा। हाल ही में मिस्र में दो असाधारण खोजों का अनावरण किया है, जिसने पुरातत्वविदों को चौका दिया है। इन खोजों में एक बेहद अच्छी तरह से संरक्षित प्राचीन शहर और कई कब्रों का समूह शामिल है। पुरातत्वविदों में ये ताजा खोजें मिस्र के पर्यटन क्षेत्र को एक नई पहचान दिलाने की उम्मीद जगा रही हैं। चौथी शताब्दी के इन पुरातात्विक स्थलों में जीवन, शहरी विकास और आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण विवरण सामने आए हैं, जब मिस्र बाइजेन्टाइन साम्राज्य का हिस्सा था। पहली खोज मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तानी इलाके में दाखला ओएसिस में हुई, जहाँ बाइजेन्टाइन युग के एक पूर्ण शहर के अवशेष मिले हैं। इसे अब तक की सबसे महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोजों में से एक माना जा रहा है। पुरातत्व मिशन के अध्यक्ष महमूद मसूद ने बताया कि यह शहर चौथी शताब्दी के मध्य की एक बेसिलिका चर्च बस्ती के ऊपर स्थित है, जिसकी मुख्य सड़कों की ओर खुली हुई संरचनाएं और बाहरी इलाकों की सुरक्षा के लिए दो वाच टावरों के अवशेष मिले हैं। इस स्थल पर मोटी दीवारों वाली एक मजबूत किलेबंद संरचना के साथ-साथ कई घर भी पाए गए हैं, जिनमें स्वागत कक्ष और गुंबददार छतें थीं।

जिसने बालेन शाह को सत्ता दिलाई वही उनके खिलाफ सड़कों पर उतरे

नेपाल में पीएम शाह का जेन जेड जमकर कर रहा विरोध

काठमांडु

नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने अभी कुछ महीने पहले ही शपथ ली है और सत्ता में आए उसे केवल 104 दिन ही हुए हैं, लेकिन अब वही युवा पीढ़ी (जेन-जेड) जिसने उन्हें सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उनके खिलाफ सड़कों पर उतर आई है। केपी शर्मा ओली की पिछली सरकार के खिलाफ जेन-जेड के जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों के कारण ही वह सरकार गिरी थी और बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ था। अब युवा बालेन शाह की सरकार के एक विवादास्पद फैसले - काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने के अभियान - के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अभियान के विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह भी कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई और जनता का गुस्सा और भड़क उठा।

पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया है, जिनमें कई ऐसे नेता भी शामिल हैं जो जेन-जेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और जिन्होंने बालेन शाह की सरकार बनवाने में अहम भूमिका निभाई थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। युवा प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि न केवल उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है, बल्कि पुलिस हिरासत में उन्हें बुरी तरह प्रताड़ित भी किया जा रहा है। पूरा मामला यह है कि बालेन शाह की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान शुरू किया है, जिसके लिए पुलिस और सेना की भी तैनाती की गई है। इस अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। लोगों का मुख्य आरोप यह है कि सरकार ने इन बेघर हुए लोगों को बसाने के लिए कोई वैकल्पिक योजना नहीं बनाई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बेदखली से पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम किया जाना चाहिए था। इस वजह से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ फूट पड़ा है और युवा बालेन शाह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। रविवार को काठमांडू के माइतीघर में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे, जो सरकार से बेघर हुए लोगों को फिर से बसाने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिश्मा थापा को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं और तभी से उनकी निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।

नेपाल में बारिश का कहर, दुनिया की सबसे बड़ी शालिग्राम शिला जलमग्न, श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद

काठमांडु

नेपाल में लगातार दो दिन से हो रही बारिश के कारण पर्वत, स्याङ्जा और गुल्मी जिलों के संगम स्थल पर स्थित दुनिया की सबसे बड़ी शालिग्राम शिला बाढ़ के पानी में डूब गई है। काली गण्डकी नदी और सेती नदी का जलस्तर बढ़ने से शिला तक जाने वाला मार्ग, निकट स्थित सत्तल और परिक्रमा स्थल भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं।

शालिग्राम विद्याश्रम के संरक्षक कुलराज तिवारी ने बताया कि काली गण्डकी नदी के बढ़ते जलप्रवाह के कारण शालिग्राम शिला डूब गई है। लगातार बारिश से कालीगण्डकी और सेती नदी दोनों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ा है। सेवा में लगे पुजारी और पंडितों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। वहीं, प्रतिदिन पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भी शालिग्राम शिला के दर्शन से वंचित हो गए हैं।

स्थानीय निवासी तिलक पराजुली के अनुसार, सेतीबेनी में मिलने वाली सेती नदी और काली गण्डकी नदी के तेज बहाव से शिला का परिक्रमा स्थल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि शिला क्षेत्र में बाढ़ आने के बावजूद फिलहाल आसपास की बस्ती को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

पवित्र शालिग्राम शिला के साथ-साथ शालिग्राम क्षेत्र में बने सत्तल सहित सभी संरचनाएं पानी में डूब गई हैं। शिला की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध और गेबियन जाल भी जलमग्न हो गए। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक लगा दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि काली गण्डकी जलविद्युत परियोजना के बांध के कारण बाढ़ की स्थिति बनने पर पर्वत, स्याङ्जा और गुल्मी की सीमा पर स्थित सेतीबेनी बाजार हर बार डूबने के खतरे में आ जाता है। काली गण्डकी और सेती नदी के बढ़ते जलस्तर से सेतीबेनी बाजार में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है, जिससे पर्वत और स्याङ्जा की ओर स्थित बाजार क्षेत्रों के करीब 200 व्यापारी और स्थानीय निवासी चिंतित हैं।

दो वर्ष पहले सावन महीने में आई बाढ़ का पानी बाजार तक पहुंच गया थी, जिसमें एक मकान ढह गया था और आधा दर्जन घरों के लोग विस्थापित हो गए थे। गल्याङनगरपालिका-5 के वडाध्यक्ष घनश्याम भट्टराई ने कहा कि जब तक काली गण्डकी नदी के प्रवाह की दिशा नहीं बदली जाती, तब तक यह खतरा बना रहेगा। उन्होंने शालिग्राम शिला की सुरक्षा के लिए नदी का बहाव गुल्मी की ओर मोड़ने की मांग भी दोहराई।

विहादी गांवपालिका के अध्यक्ष परबीन गुरुङ ने कहा कि शालिग्राम शिला के निकट स्थित स्याङ्जा की गल्याङ नगरपालिका, पर्वत की विहादी गांवपालिका और गुल्मी की कालीगण्डकी गांवपालिका को आपसी समन्वय के साथ सेतीबेनी क्षेत्र के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

उधर, पर्वत जिला पुलिस कार्यालय ने लगातार बारिश के बीच सेतीबेनी क्षेत्र सहित विभिन्न नदियों और नालों में बाढ़ एवं भूस्खलन का खतरा बने रहने की चेतावनी देते हुए लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की अपील की है। पुलिस निरीक्षक राजन पटेल ने कहा कि जोखिम कभी भी बढ़ सकता है, इसलिए लापरवाही न बरतने की सलाह दी गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद–ब–ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएं। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कार–ोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जुलाई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 11:53 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 09:47 तक
योग : हर्षण प्रातः 08:40 तक
करण : बव प्रातः 11:53 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 ,सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्रि आरंभ , गण्डमूल रात्रि 09:47 से,चन्द्र दर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा का गढ़ रहा बांकीपुर त्रिकोणीय मुकाबले में फंसा

मतदाता तय करेंगे सम्राट की चौधराहट-पीके का भविष्य और तेजस्वी का तेज

पटना, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश की राजनीति का इस समय सबसे हॉटस्पॉट पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट (182)बनी हुई है। दरअसल राज्यसभा सदस्य बनने के बाद नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली हुई । इस सीट पर 30 जुलाई को उपचुनाव होना तय हुआ है। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बेहद दिलचस्प और बहुकोणीय हो चुका है।सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और मैदान में उतरे उम्मीदवारों की प्रोफाइल इस मुकाबले को बेहद कांटे का बना रही है। आइए विश्लेषण करते हैं कि इस चुनावी बिसात पर किसका पलड़ा कितना भारी पड़ता है यह मतगणना के दिन ही पता चलेगा। वैसे भारतीय जनता पार्टी ने अंतिम समय में रणनीति बदलते हुए अपने पुराने जमीनी कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को मैदान में उतारा है। बांकीपुर सीट को पारंपरिक रूप से भाजपा का सबसे सुरक्षित किला माना जाता है। नितिन नवीन यहां से लगातार पांच बार विधायक रहे और उनसे पहले उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने चार बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया। नीरज सिन्हा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तर से उठे नेता हैं, जिन्हें स्थानीय कैडर का मजबूत समर्थन प्राप्त है। आपको बताते चलें कि बांकीपुर सीट पर कायस्थ और वैश्य मतदाताओं की बड़ी आबादी है। नीरज कुमार सिन्हा की कायस्थ पृष्ठभूमि और उनके परिवार का जनसंघ कालीन जुड़ाव भाजपा के कोर वोटर को एकजुट रखने में सबसे बड़ा फैक्टर है। जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बार फिर रेखा गुप्ता पर भरोसा जताया है, जो पिछले आम चुनाव में भी इस सीट से उपविजेता रही थीं।रेखा गुप्ता ने पिछले चुनाव में हार के बावजूद 46,000 से अधिक वोट हासिल किए थे, जिससे उनका जमीनी संपर्क साबित होता है। उन्हें राजद के पारंपरिक 'एमवाई' माई समीकरण के साथ–साथ महागठबंधन के अन्य दलों का भी समर्थन प्राप्त है।रेखा गुप्ता वैश्य समाज (तेली जाति) से आती हैं। बांकीपुर में वैश्य मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। अगर वह भाजपा के वैश्य वोट बैंक में सेंध लगाने में कामयाब रहती हैं, तो वह मुकाबले को पलट सकती हैं।प्रशांत किशोर (बदलाव की लहर और व्यक्तिगत करिश्मा)इस उपचुनाव का सबसे बड़ा सरप्राइज जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर का खुद चुनावी मैदान में उतरना है। उनकी एंट्री ने इस मुकाबले को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में ला दिया है।प्रशांत किशोर के पास चुनावी रणनीतियों का लंबा अनुभव है। वह युवाओं, व्यवस्था से नाराज मतदाताओं और 'बदलाव' चाहने वाले साइलेंट वोटर्स को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। उनका अभियान सीधे जनता से जुड़ाव और विकास के एजेंडे पर आधारित है। एक नए राजनीतिक विकल्प के रूप में पीके सीधे तौर पर भाजपा और राजद दोनों के शहरी वोट बैंक को प्रभावित कर रहे हैं। वह पारंपरिक समीकरणों को तोड़कर इस चुनाव को त्रिकोणीय बना चुके हैं। वहीं बांकीपुर से तेजप्रताप की कैंडिडेट वीणा मानवी का नॉमिनेशन रद्द हो गया है।कल सोमवार को नॉमिनेशन करने के बाद पटना पुलिस ने उन्हें धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन बाद में कोर्ट से जमानत मिलने पर उन्हें रिहा कर दिया गया था।यदि वर्तमान राजनीतिक और भौगोलिक परिस्थितियों का विश्लेषण करें, तो पलड़ा अभी भी पारंपरिक रूप से भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा का भारी नजर आता है ,जिसके पीछे मुख्य कारण पिछले तीन दशकों से इस सीट पर भाजपा को हराना किसी भी दल के लिए नामुमकिन साबित हुआ है। शहरी क्षेत्र होने के कारण यहां भाजपा का सांगठनिक ढांचा बेहद मजबूत है।प्रशांत किशोर (जनसुराज) और रेखा गुप्ता (राजद) के मैदान में होने से सत्ता विरोधी (अपींळ–खपर्लीलशपलू) वोटों का बिखराव होना तय है, जिसका सीधा फायदा अंततः भाजपा को मिल सकता है ।हालांकि गणितीय रूप से भाजपा आगे दिख रही है, लेकिन बांकीपुर का यह उपचुनाव एकतरफा बिल्कुल नहीं है। यदि प्रशांत किशोर युवाओं और साइलेंट वोटर्स को बूथ तक लाने में सफल रहे या रेखा गुप्ता ने वैश्य वोटों में बड़ी सेंधमारी कर दी, तो नतीजों में बड़ा उलटफेर भी देखने को मिल सकता है।

फिलहाल यह मुकाबला बिहार के आगामी राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित होगा।बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कल सोमवार को नामांकन की प्रक्रिया समाप्त हो गई। आखिरी दिन जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कैंडिडेट नीरज कुमार सिन्हा और जनशक्ति जनता दल (गगृ) की प्रत्याशी वीणा मानवी समेत अन्य ने नामांकन किया था।जिनका नामांकन आज रद्द कर दिया गया।इस संबंध में निर्वाची पदाधिकारी ने बताया कि कोई भी उम्मीदवार के दस प्रस्तावक होते हैं। लेकिन वीणा मानवी के नामांकन पत्र में नौ का ही उल्लेख है। जिसके कारण अपूर्ण होने की स्थिति में इसे रद्द करना पड़ा। गौरतलब हो कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बांकीपुर सीट से विधायक थे, लेकिन राज्यसभा सांसद बनने के बाद उनके बाद उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हुई थी। अब यहां उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को मतदान होगा। महागठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा गुप्ता पहले ही अपना नॉमिनेशन कर चुकी हैं। वहीं पूर्व चुनावी रणनीतिकार एवं जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अपनी पत्नी जाह्नवी दास की मौजूदगी में कल पटना कलेक्ट्रेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। असम की रहने वालीं डॉक्टर जाह्नवी दास आमतौर पर सार्वजनिक जीवन से दूर रहती हैं, लेकिन इस मौके पर वह पीके के साथ नजर आईं। प्रशांत किशोर नामांकन दाखिल करने के लिए एक विशाल जुलूस के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचा था। जहां बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 30 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त की जाएंगी।इस चुनाव को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है।यह चुनाव आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को भी जोड़कर देखा जा रहा है।

जहां 2027 के पूर्वार्द्ध में मतदान होना है।इस चुनाव का परिणाम जहां भारतीय जनता पार्टी के लगातार विजयी होने और विपक्षी दलों का एकजुट न होकर और सरकार के प्रति विरोध प्रकट करने के वावजूद क्षेत्रीय दलों का सिमटना जारी रहने की कसक पूरी करती है।यह आने वाले समय ही बताएगा।जो भी हो यह उप चुनाव पर पूरे देश की नजर टिकी हुई है।

राधे–राधे का भाव अपनाकर जीवन बनता है सार्थक : अनिल धरसुवाले

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। इस पुनीत अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना भी रहा। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद अपने नियमित सेवा कार्यों के माध्यम से लगातार समाज में पर–ोपकार और मानव सेवा का संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल धरसुवाले अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद ने समाज को सेवा, संस्कार, भक्ति और प्रेम के साथ जीवन जीने की नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे का भाव अपनाकर जीवन वास्तव में सार्थक बनता है।

राधे–राधे केवल एक शब्द या अभिवादन नहीं, बल्कि यह जीवन का ऐसा मंत्र है, जो व्यक्ति को प्रेम, विनम्रता, करुणा, सहनशीलता और निस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाता है। जब मनुष्य इस भाव को अपने जीवन में उतार लेता है, तब उसके विचार, व्यवहार और व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगते हैं। कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, प्रवीण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने, अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

बांसवाड़ा में मिशन भागीरथ पाइपलाइन लीकेज, 3 दिन पानी सप्लाई बंद

बांसवाड़ा, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मिशन भागीरथ पाइपलाइन में लीकेज के कारण बांसवाड़ा शहर में अगले तीन दिनों तक पीने के पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

नगर पालिका ने लोगों से अपील की है कि इस दौरान पेयजल के लिए स्थानीय बोरवेल का उपयोग करें। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सप्लाई पहले की तरह बहाल कर दी जाएगी।

बांसवाड़ा बार एसोसिएशन ने किया ड्यूटी का बायकॉट

बांसवाड़ा, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद बार एसोसिएशन के सीनियर एडवोकेट सुदर्शन राव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए बांसवाड़ा बार एसोसिएशन के सदस्यों ने मंगलवार को न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। अध्यक्ष खलील की अध्यक्षता में हुई बैठक में शोक प्रस्ताव पारित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान अदालत ने वकीलों/पक्षकारों की अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न करने का निर्देश दिया। बैठक में सचिव पी. मुगलैया, कोषाध्यक्ष जी. दत्तात्रेय, एम. भूषण रेड्डी, लक्ष्मा रेड्डी, सैयद हामिद, सुधाकर कुलकर्णी, के. रमाकांत राव समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ दान : कमल मुनि

मैसूर, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश ने कहा कि अंतरात्मा का आंतरिक विकास धन–संपत्ति से नहीं, केवल ज्ञान से संभव है। अनंत जन्मों का अज्ञान एक पल के ज्ञान से दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान तीसरा नेत्र है। एक शब्द के ज्ञान का दान तीन लोक की संपत्ति से बढ़कर है। ज्ञान को न चुराया जा सकता है, न बांटा जा सकता है और न ही अग्नि में जलाया जा सकता है। संकट में ज्ञान ही सच्चा साथी है। मुनि कमलेश ने बताया कि सभी दानों में ज्ञानदान सर्वश्रेष्ठ है। यह आत्मा के साथ अगले जन्म तक जाता है और बांटने से बढ़ता है। ज्ञान ही परमात्मा का दूसरा रूप है। ज्ञानी का अपमान धर्मगुरु और परमात्मा के अपमान के समान है।

उन्होंने कहा कि गंदगी में गिरे सोने के सिक्के की तरह, बुरे व्यक्ति में भी ज्ञान का हीरा हो तो ग्रहण करना चाहिए। ज्ञान का उम्र, जाति या धर्म से संबंध नहीं। बुद्धिबल, बाहुबल और धनबल से श्रेष्ठ है। एक ज्ञानी से अनंत ज्ञानी तैयार हो सकते हैं। ज्ञान के अभाव में धर्म–साधना भी कर्म बंधन का कारण बनती है।

जैन साहित्य संगम, तेलंगाना इकाई का राष्ट्रीय कवि सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन साहित्य संगम, तेलंगाना इकाई द्वारा काव्य की धारा, भावों की धुन विषय पर आधारित पंचम मासिक काव्य गोष्ठी सह राष्ट्रीय कवि सम्मेलन हर्षोल्लास एवं साहित्यिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े लगभग 25 कवि–कवयित्रियों ने अपनी ओजस्वी, भावपूर्ण एवं चिंतनशील रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता जैन साहित्य संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रख्यात कवि श्री जगदीप जैन 'हर्षदर्शी' ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ तेलंगाना इकाई की अध्यक्ष सरिता सुराणा द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। इसके उपरांत उपाध्यक्ष एवं कवि अशोक दोशी 'दिवाकर' ने अपनी स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माँ शारदे का आह्वान किया।

कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए साहित्यकारों ने देशभक्ति, अध्यात्म, सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं एवं प्रकृति पर आधारित अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया। लगभग दो घंटे से अधिक समय तक चले इस काव्य आयोजन में उपस्थित श्रोता भाव–विभोर होते रहे।

इस अवसर पर श्री कैलाश जैन 'तरल' (उज्जैन), श्री हुकुमचंद कोठारी 'असगर' (मुंबई), श्रीमती चंचल जैन (मुंबई), श्री अनिल पंचाल, श्रीमती कनक पारख (विशाखापट्टनम), श्री अरुण जैन (फरीदाबाद), सुश्री पिंकी जैन (बाड़मेर), श्रीमती ललिता जोगड़ (मुंबई), श्रीमती हिम्मत चौरड़िया (कोलकाता), श्रीमती हर्षलता दुधोड़िया (हैदराबाद), श्री पदमचंद गांधी (भोपाल), श्रीमती चंदा–अजय जैन (मंदसौर), डॉ. राजेश कुमार जैन, श्री जयंतीलाल जैन (मुंबई), सुश्री परिधि भंडारी, श्री अर्जुन लाल शाह, डॉ. सी.एम. मेहता (जावरा), श्रीमती कुसुम सुराणा (मुंबई), पवन संकलेचा (बाड़मेर), भव्य नाहर, राजा जैन (कोलकाता), श्रीमती नीलम जैन (बाड़मेर) तथा श्रीमती प्रतिमा पुलक (बाड़मेर) ने अपनी–अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। अध्यक्षीय काव्यपाठ से पूर्व कार्यक्रम संचालिका सरिता सुराणा ने भी अपनी रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं की सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष कविवर श्री जगदीप जैन 'हर्षदर्शी' (उदयपुर) ने माँ के महात्म्य पर आधारित भावपूर्ण काव्यपाठ प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी सहभागियों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य साधना एवं समाज आर–ाधना के संकल्प के साथ जैन साहित्य संगम भविष्य में भी विविध विषयों पर ऐसे साहित्यिक आयोजनों का निरंतर आयोजन करता रहेगा।कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक संचालन जैन साहित्य संगम, तेलंगाना इकाई की अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवयित्री सरिता सुराणा ने किया, जबकि अंत में अशोक दोशी 'दिवाकर' ने सभी उपस्थित साहित्यकारों, कवियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अल्पसंख्यक कल्याण पर मंत्री अज़हरुद्दीन से विधायक व डीसीसी अध्यक्ष की मुलाकात

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव और कामारेड्डीर डीसीसी अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन ने मंगलवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन से मुलाकात की। नेताओं ने कामारेड्डी जिले और जुक्कल क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के शिक्षा, रोजगार, सामाजिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। मंत्री से योजनाओं को ज्यादा असरदार तरीके से लोगों तक पहुंचाने की मांग की गई।

मंत्री अज़हरुद्दीन ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और बेहतर सेवाओं के लिए कदम उठाए जाएंगे। बैठक में एनआरआई भुजंगरी भास्कर रेड्डी भी मौजूद रहे।

महासती आगमश्रीजी का चातुर्मास मंगल प्रवेश 17 को

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, आनंद भवन (कोरा), सिख विलेज, सिकंदराबाद के तत्वावधान में आयंबिल आराधिका तप सूर्या पूज्य महासती आगमश्रीजी म.सा. एवं सेवाभावी मधुर गायिका पूज्य महासाध्वी धैर्योश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–2 का वर्ष 2026 का चातुर्मास मंगल प्रवेश शुक्रवार, 17 जुलाई को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा।

मंत्री अनिल तातेड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रमण संघीय आचार्य, ज्ञानयोगी एवं ध्यानयोगी परम पूज्य डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी, अध्यात्म योगिनी एवं प्रवचन प्रभाविका परम पूज्य अर्चनाश्रीजी म.सा. 'मीरा' की सुशिष्याएँ आयंबिल आराधिका तप सूर्या पूज्य आगमश्रीजी म.सा. तथा सेवाभावी मधुर गायिका पूज्य धैर्योश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–2 का चातुर्मास मंगल प्रवेश भव्य धार्मिक वातावरण में संपन्न होगा।

चातुर्मास मंगल प्रवेश की शोभायात्रा 17 जुलाई, शुक्रवार को प्रातः 8:30 बजे हनुमान मंदिर के पास स्थित समकित भवन से प्रारंभ होकर बड़े धूमधाम के साथ श्री जैन श्रावक संघ, आनंद भवन (कोरा), सिख विलेज, सिकंदराबाद पहुँचेगी, जहाँ चातुर्मास मंगल प्रवेश का आयोजन होगा।

श्री जैन श्रावक संघ, कोरा के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस पावन चातुर्मास मंगल प्रवेश में परिवार सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के उपरांत श्री संघ की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन भी रखा गया है।

रामागुंडम पुलिस आयुक्त ने की केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से की शिष्टाचार भेंट

पेद्दापल्ली, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगारेनी भरोसा यात्रा में शामिल होने पेद्दापल्ली पहुंचे केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी से मंगलवार को रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने शिष्टाचार भेंट की। आरजी–01 के अंतर्गत ओसीपी–05 में हुई मुलाकात के दौरान आयुक्त झा ने मंत्री किशन रेड्डी को पुष्पगुच्छ भेंट किया।

संकष्टी चतुर्थी पर कौन करता है निर्जल व्रत और क्यों

गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है।

वैसे हर माह के कृष्ण पक्ष चतुर्थी मनाई जाती है यूं तो यह गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है। यह व्रत संकटों तथा दुखों को दूर करने वाला तथा प्राणी मात्र की सभी इच्छाएं व मनोकामनाएं पूरी करने वाला है। इस दिन स्त्रियां निर्जल व्रत करती हैं। इस दिन कच्चे तिल को कूटकर गणेशजी की मूर्त बनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है और कथा सुनने के बाद लोटे में भरा जल चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोला जाता है। रात्रि को चंद्रमा को अर्ध्य देने के बाद ही महिलाएं भोजन करती है। संकट चौथ के दिन तिल को भूनकर गुड के साथ कूटकर तिलकुटा यानि तिलकुट का पहाड बनाया जाता है। उसकी पूजा करके घर का कोई बच्चा उसकी गर्दन काटता है, फिर सभी को प्रसाद दिया जाता है।

तिलकुटे से ही गणेशजी का पूजन किया जाता है तथा इसका ही बायना निकालते हैं और तिलकुट को भोजन के साथ खाते भी हैं। जिस घर में लडके की शादी या लडका हुआ हो, उस वर्ष संकट चौथ को सवा किलो तिलों को सवा किलो शक्कर या गुड के साथ कूटकर इसके तेरह लड्डू बनाए जाते हैं। इन लड्डूओं को बहू बायने के रूप में सास को देती है। कहीं-कहीं इस दिन व्रत रहने के बाद सायंकाल चंद्रमा को दूध का अर्ध्य देकर पूजा की जाती है। गौरी-गणेश की स्थापना कर उनका पूजन तथा वर्षभर उन्हें घर में रखा जाता है।

तिल, ईख, गंजी, भांटा, अमरूद, गुड, घी से चंद्रमा गणेश का भोग लगाया जाता है। यह नैवेद्य रात भर डलिया से ढककर रख दिया जाता है, जिसे 'पहार' कहते हैं। पुत्रवती माताएं पुत्र तथा पति की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। उस ढके हुए 'पहार' को पुत्र ही खोलता है तथा उसे भाई-बंधुओं में बांटा जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया।

हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रहाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

इन मंत्रों का करें उच्चारण

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्म
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

ऐसे करें व्रत

इस दिन प्रातः ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए, तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है।

घर में अवश्य लगाएं तुलसी के पौधे क्योंकि

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है।

तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं।

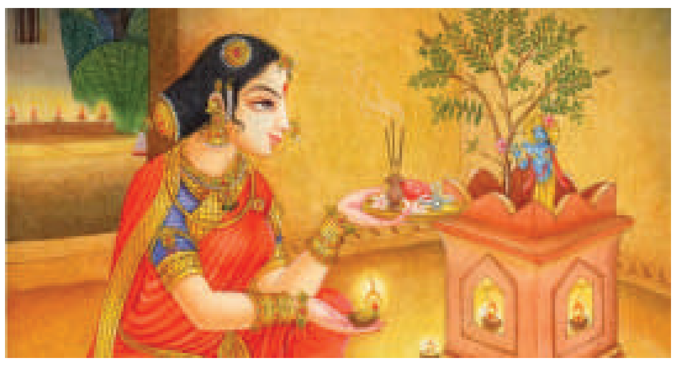

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान।

1. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है।
2. तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढता है।
3. पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी।
4. अगर संतान बहुत ज्यादा जिदी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें।
5. यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी।
6. यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढाएं।
7. नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपडे में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।
8. शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर तुलसी के पत्ते रोग दूर करने में सहायक हैं।
9. तुलसी एकमात्र पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है।

उपनिषद में मनः मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है

मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है। मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है।

कौषिति की उपनिषद

मन की सक्रियता का आधार आत्मा है और इसको जानने पर बल दिया जाना चाहिए। ज्ञान का आधार तप, संयम और निःस्वार्थ कर्म है।

केन उपनिषद

मन दसों इंद्रियों का अधिपति है और जब मन इनसे संयुक्त होता है तभी उन विषयों का ज्ञान होता है। मन अनंत है। मन ही ज्योति है, मन ही सम्राट है और मन ही परम ब्रहम है।

वृहदारण्यक उपनिषद

मन आत्मा द्वारा निर्देशित अंतरइंद्रिय है, जो दूसरी इंद्रियों को निर्देशित करता है। जिसने अपना चरित्र शुद्ध नहीं किया, जिसकी इंद्रियां शांत नहींरह सकतीं, जिसका चित्त स्थिर नहीं, मन सदैव अशांत रहता है, वह केवल बाहय जगत के आधार पर आत्मा को प्राप्त नहींकर सकते।

यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है

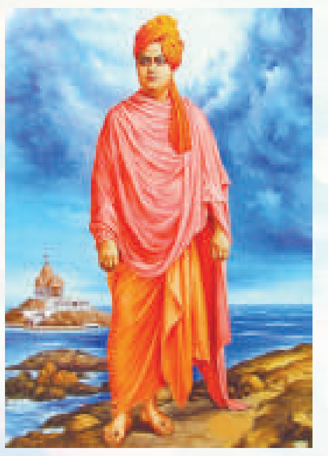

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन।

योगियों के मत से मुख्यतः तीन नाडियां होती हैं। ये तीनों मेरुदंड के भीतर रहती हैं। बाईं ओर है इडा, दाहिनी ओर पिंगला और बीच में सुषुम्ना। इडा और पिंगला ज्ञान-तंतुओं से बनी हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है। सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा संवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उदेश्य है। पर यह कोई बडी बात नहीं है। श्वासोच्छ्वास द्वारा हवा फेफडों में खींचना और उसके द्वारा खून साफकरना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहींहै। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुतः प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम मूलभूत शक्ति को, जिसे हम प्राण कहते हैं, प्राप्त होते हैं। विश्व में सर्वत्र दिखाई देने वाली सब क्रियाएं इस प्राण के विभिन्न रूप हैं। यह प्राण सूक्ष्म महाशक्ति है। मस्तिष्क द्वारा यह प्राणशक्ति विचार के रूप में प्रकट होती है। सब वस्तुएं प्राणमय हैं और यह प्राण-शक्ति ही सूर्य, चंद्र, तारे आदि को चला रही है। विश्व में जो कुछ विद्यमान है, वह प्राण के स्पंदन का ही कार्य है। प्राण के सर्वोच्च स्पंदनों का कार्य है- विचार। इससे परे अगर कुछ है, तो वह हमारी कल्पना शक्ति के बाहर है। विभिन्न शक्तियों का रूप लेकर शरीर के प्रत्येक भाग को प्राण ही चलाता है। यह पुरानी कल्पना छोड दो कि ईश्वर नाम का कोई है, जो यह सब कार्य चला रहा है। काम करते समय हम थक जाते हैं, क्योंकि उसमें प्राणशक्ति व्यय हो जाती है।

कर्म का आधार है विचार

विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।

आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन... वेदांत में बताया गया है कि शारीरिक कर्म मात्र परिणाम है, उसका वास्तविक कारण कुछ और है। शारीरिक कर्म होते हुए दिखता तो है, परंतु वह क्यों किया गया, इसके कारण का पता नहीं चलता। अगर मात्र शरीर ही कर्म कर रहा होता तो देहांत के बाद शरीर कर्म क्यों करता। मृत्यु के उपरांत शरीर में कर्म करने की क्षमता कुछ देर तक रहती है। मृत व्यक्ति के अंगों का दान करने से वे जीवित व्यक्ति के लिए काम आ जाते हैं। यानी देह में मृत्यु के बाद भी कर्म करने की क्षमता होती है। कार्य करने की प्रक्रिया भले ही शरीर से होती है, लेकिन उसके अन्य कारण हैं। कर्म का कारण इच्छा है। इच्छा का कारण विचार है तथा विचार का कारण वासना है। वासना का अर्थ हमेशा नकारात्मक नहीं होता। वासना का एक अर्थ 'खुशबू' भी है। स्वभाव या प्रवृत्ति को भी वासना कहा गया है। वासनाएं पहले विचार रूप में प्रकट होती हैं। विचार पर केंद्रित होने पर विचार इच्छा में बदल जाता है। फिर इच्छा कर्म के रूप में प्रकट हो जाती है। आदि शंकराचार्य ने वासनाओं को 'अज्ञान' कहा है। इसीलिए योगी-महात्माओं ने विचारों की शुद्धता पर बल दिया। विचार अच्छे होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ होगा। मान लीजिए, अगर आटे में कंकड हैं, तो चाहे आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न पकाते हों, रोटी खराब ही बनेगी। आटा अच्छा हो, तो रोटी अच्छी भी बन सकती है और खराब भी, परंतु आटा ही खराब हो तो रोटी कैसे अच्छी बनेगी। कर्म का मूल कारण विचार है, इसलिए अगर विचार नकारात्मक होंगे तो कर्म श्रेष्ठ नहीं होगा। कर्म अगर भवन है, तो विचार उसकी नींव। कर्म की बुनियाद ही खराब होगी तो भवन अच्छा नहीं होगा। अगर विचारों में स्थिरता है तो कार्य को करने में हमें खुशी का अनुभव होगा। आज के जीवन में तो यह और भी जरूरी है कि किसी काम की शुरुआत अच्छे विचारों से हो।

भगीरथ ने बदायूं में किया था तप।

गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे। गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन मे बदायूं, [लोकेश प्रताप सिंह]। गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे।

गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन में कौंध जाएंगे। इसके बाद भी शायद संतोषजनक जवाब न मिल सके। इस असमंजस के जवाब को बदायूं आ जाएं। यहां गंगा के कछलाघाट से कुछ ही दूर पर बूढी गंगा के किनारे एक प्राचीन टीले पर अनूठी गुफा है। कपिल मुनि आश्रम के बगल स्थित इस गुफा को भगीरथ गुफा के नाम से जानते हैं। पहले यहां राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की भी मूर्तियां थी, जो कुछ साल पहले चोरी चली गई। करीब ही राजा भगीरथ का एक अति जीर्ण-शीर्ण मंदिर है, जहां अब सिर्फ चरण पादुका बची है। आध्यात्मिक दृष्टि से सूकरखेत (बाराह क्षेत्र) का वैसे भी बहुत महत्व है। बदायूं के कछला गंगा घाट से करीब पांच कोस की दूरी पर कासगंज की ओर बढकर एक बोर्ड दिखाई पडता है, जिस पर लिखा है भगीरथ गुफा। एक गांव है होडलपुर। थोडी दूर जंगल के बीच एक प्राचीन टीला दिखाई पडता है। बरगद का विशालकाय वृक्ष और अन्य पेडों के झुरमुटों बीच मठिया है। इसी टीले पर स्थित है कपिल मुनि आश्रम और भगीरथ गुफा। लाखोरी ईटों से बनी एक मठिया के द्वार पर हनुमानजी की विशालकाय मूर्ति लगी है। भीतर प्रवेश करने पर एक मूर्ति और दिखाई पडती है, इसे स्थानीय लोग कपिल मुनि की मूर्ति बताते हैं। मूर्ति के बगल से ही सुरंगनुमा रास्ता अंदर को जाता है, जिसमें से एक व्यक्ति ही एक बार में प्रवेश कर सकता है। पांच मीटर भीतर तक ही सुरंग की दीवारों पर लाखोरी ईटें दिखाई पडती हैं। इसके बाद शुरू हो जाती है कच्ची अंधेरी गुफा। सुरंगनुमा रास्ते से भीतर जाने के बाद एक बडी कोठरी मिलती है, जहां एक शिवलिंग भी कोने में है। कोठरी के बाद फिर सुरंग और फिर कोठरी। पर्याप्त रोशनी के साथ इस रास्ते से बढते हुए चौथी कोठरी तक पहुंचने के बाद तो साथ गए स्थानीय फरीदपुर के श्याम गिरि की भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां तक भी कोई नहीं आता, बिना ऑक्सीजन मास्क के आगे चलना ठीक नहीं है। श्याम गिरि ने बताया कि पहले गंगा इसी टीले के बगल से होकर बहती थीं। अभी भी गंगा की एक धारा समीप से होकर बहती है, जिसे बूढी गंगा कहते हैं। टीले के नीचे स्थित मंदिर से दुर्लभ मुखार बिंदु शिवलिंग भी चोरी चला गया था। इन घटनाओं की बाकायदा प्राथमिकी दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने पाली (अलीगढ) के एक तालाब से शिवलिंग तो बरामद कर लिया, लेकिन सगर पुत्रों की मूर्तियों का अभी भी कोई पता नहीं है। इसी टीले पर तीन समाधि भी हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास की समाधि कहते हैं। यहां राजा भगीरथ का मंदिर है, जो कभी बहुत भव्य था।

कछला बनेगा भागीरथ नगर

बदायूं के कछला घाट पर निर्मल गंगा अभियान चला तो गंगासेवी वयोवृद्ध संत त्रिदंडी स्वामी वासुदेवाचार्य ने भगीरथ गुफा के बारे में जानकारी दी। श्री भगीरथ सेवा न्यास ने अभियान से जुडे कई संगठनों को लेकर कछला घाट पर महाआरती की परंपरा शुरू की तो संतों-धर्माचार्यो ने कछला का नाम भगीरथ नगर करने की मांग उठाई। गौरीशंकर मंदिर के मुख्य आचार्य नारायण दास मुदगल कहते हैं कि इस समय भगीरथ गुफा से सबसे करीब कछला में ही सुविधाजनक गंगा घाट है। इसलिए भी कछला का नाम भगीरथ नगर होना चाहिए और संत-धर्माचार्य खुद यहां राजा भगीरथ का भव्य मंदिर बनवाएंगे। अखिल भारतीय संत सभा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी पगलानंद भी संतों-धर्माचार्यो के साथ बीते सप्ताह भगीरथ गुफा का दर्शन करके आए। नगर पंचायत कछला की चेयरमैन पुष्पा देवी ने बोर्ड की ओर से कछला का नाम भगीरथ नगर किए जाने का प्रस्ताव पारित करवाने का आश्वासन संतों को दिया है।

तकनीक

मोबाइल हेडफोन जैक नहीं कर रहा काम तो अपनाएं ये टिप्स

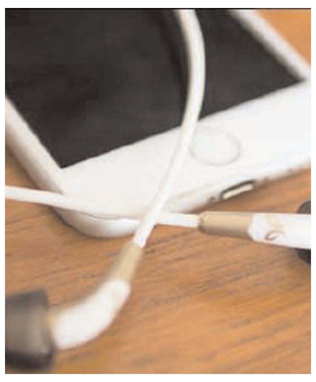

सोचिए नया स्मार्टफोन खरीदने के तुरंत बाद अगर खराब हो जाए तो क्या करेंगे आप? कई बार ऐसा होता है कि आपके नए स्मार्टफोन का हेडफोन जैक काम नहीं कर रहा होता है। जिसे आपको ठीक करने के लिए शॉप पर जाना पड़ता है। अगर आप भी इस तरह की किसी परेशानी से गुजर रहे हैं तो आप अपने स्मार्टफोन जैक को घर बैठे भी ठीक कर सकते हैं।

ऐसे करें ठीक

1. इसके लिए पहले ये चेक कर लें कि कहीं आपके स्मार्टफोन का हेडफोन तो टूटा हैं। हेडफोन को चेक करने के लिए किसी भी 3.5MM जैक में अपने हेडफोन को यूज करके देखें। आपको हेडफोन के बारे में पता चल जाएगा।
2. कई बार ऐसा होता है कि आपका स्मार्टफोन स्पीकर और किसी दूसरे डिवाइस से ब्लूटूथ से कनेक्ट रहता है जिसकी जानकारी आपको नहीं होती है। इसलिए सबसे पहले यह जांच लें कि कहीं आपका स्मार्टफोन किसी डिवाइस से ब्लूटूथ के जरिए कनेक्ट तो नहीं हैं।
3. कई यूजर्स को इस बात की जानकारी नहीं है कि हेडफोन जैक में धूल-मिट्टी और गंदगी जाने से भी परेशानी हो सकती है। इसलिए हमेशा हेडफोन जैक को साफ करते रहना चाहिए। जिसके बाद हेडफोन जैक काम करने लगेगा।
4. ऑडियो जैक कई बार फोन की सेटिंग की गड़बड़ी की वजह से भी काम नहीं करता है। इसके लिए फोन की सेटिंग में जाकर चेक करें और ऑडियो ओपन कर इसके वॉल्यूम को देख लें कि साउंड कहीं कम या म्यूट तो नहीं है। अगर ये तब भी काम नहीं करें तो फोन को एक बार रिस्टार्ट कर लें।
5. अगर फोन का हेडफोन जैक इन टिप्स को फॉलो कर भी ठीक नहीं हुआ है, तो फोन को किसी भी रिपेरिंग स्टोर पर ले जाने से बेहतर होगा कि फोन को सर्विस सेंटर में दिखाएं।

जेब से सिक्के गिरने का मतलब जल्द होगा आपके साथ ऐसा

अगर आपकी जेब से अचानक से सिक्के गिर कर बिखर जाएं तो उन्हें उठाते हुए गुस्सा मत कीजिए बल्कि आनंद लीजिए क्योंकि ऐसा होना आपके लिए शुभ साबित हो सकता है। हम जब आपको इससे जुड़ी बात बताएंगे तो विश्वास मानिए आप सोचेंगे कि कब आपकी जेब से सिक्के गिरें और आप उन्हें उठाने के लिए प्रयास करें।

ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी जेब से सिक्के या नोट गिरते हैं तो यह आपके लिए एक अच्छा संकेत है। हां लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि यह आपको जानबूझ कर नहीं करना है बल्कि यह अनायास ही होना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी जेब से सिक्के या नोट गिरते हैं तो आपको जल्द ही धन की प्राप्ती होने वाली है। आपको ऐसा धन प्राप्त होगा जिसके बारे में आपने सोचा नहीं है। इस धन की प्राप्ती के लिए वक्त का कोई निर्धारण नहीं है लेकिन इतना आप मान सकते हैं कि आपको अज्ञात स्त्रोत धन उपलब्ध कराएंगे।

मधुमेह में पैरों का मामूली जख्म भी खतरनाक

इस तरह करें पैरों की देखभाल

मधुमेह से रोगियों के पैरों में मामूली जख्म भी खतरनाक हो सकता है। मधुमेह रोगियों पर किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है। अध्ययन के आकलन के अनुसार, टाइप 2 मधुमेह के निदान के दौरान कम से कम 10 में से एक रोगी के पैर में क्षति की आशंका देखी गई है। अध्ययन से पता चला कि भारत में 7.4 से 15.3 प्रतिशत मधुमेह रोगियों के पैरों में तकलीफ होती है। ऐसे में इसकी जल्द पहचान कर उपचार करा लेना चाहिए। डॉक्टरों का कहना है कि नहीं तो हालत गंभीर हो सकती है। एक छोटी सी चोट से भी बाद में संक्रमण हो सकता है और पैर काटना भी पड़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मधुमेह रोगियों के पैर में होने वाली इस समस्या को डायबेटिक फुट कहते हैं। इसमें संक्रमण के चलते ऊतक सड़ सकते हैं और जिसमें अल्सर के कारण तंत्रिका संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। इससे रक्त के संचरण संबंधी विकार का खतरा बन जाता है और उपापचय की जटिलताएं हो सकती हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल ने कहा कि मधुमेह होने पर यह जरूरी है कि रोजाना पैरों की जांच की जाए। थोड़ी सी भी चोट या पैर की अंगुली या नाखून के संक्रमण से अल्सर हो सकता है। मधुमेह से पैर की नसें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। अगर दर्द न हो तो ऐसी छोटी मोटी चोटें नजरअंदाज भी हो सकती हैं। इसके अलावा उच्च रक्तचाप, धूम्रपान, कोलेस्ट्रॉल और मोटापे के कारण मधुमेह रोगी के पैर में रक्त प्रवाह कम हो सकता है। इन सबके चलते रोगों में दोबारा संक्रमण होने पर समस्या और बढ़ जाती है। मधुमेह प्रभावित पैर से जुड़ी कुछ अन्य जटिलताओं में अल्सर, संक्रमण, सेप्टीसीमिया, गैंगरीन, विकृति और अंग का नुकसान हो सकता है।

मधुमेह के रोगी के पैरों में होने वाली समस्याएं

मधुमेह प्रभावित रोगी के पैर के कुछ संभावित कारणों में प्रमुख हैं- न्यूरोपैथी यानी तंत्रिका क्षति, वस्कुलोपैथी (रक्त वाहिकाओं में रुकावट), पैर की विकृति, संक्रमण और एडिमा (सूजन)। मधुमेह प्रभावित पैरों के इलाज के लिए दुर्गंध और संक्रमण के नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए।

पैरों को नमी से बचाएं

आईएमए के अध्यक्ष डॉ. के. के. अग्रवाल ने बताया कि मधुमेह पीड़ित लोगों को अपने पैरों की हर साल जांच करानी चाहिए। यदि पैर में कोई चोट लगी हो, नाखून खराब हो गया हो या पैर में किसी भी प्रकार का दर्द महसूस हो तो चिकित्सक से सलाह जरूर लेना चाहिए। ग्लाइसेमिक नियंत्रण, पैर की नियमित जांच, सही जूते और नमी से बचाकर पैरों की रक्षा की जा सकती है।

इस तरह पैरों की देखभाल करें

» शर्करा के स्तर की जांच करें : रक्त शर्करा के स्तर को सही रेंज में रखने के लिए अपने चिकित्सक की ओर से सुझाई गई जीवनशैली का पालन करें।
» हर दिन अपने पैरों की जांच करें : किसी भी तरह के लाल धब्बे, छीलन, सूजन या छाले पर ध्यान दें।
» शारीरिक रूप से सक्रिय रहें : प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम जरूर करें।
» पैरों को साफ रखें : हर दिन पैरों को धोकर सावधानी से सुखा लें, खासकर पैर की उंगलियों के बीच के हिस्से को।
» अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करें : अपने पैरों के ऊपरी और निचली ओर मॉइस्चराइजर की एक पतली परत लगाएं।
» आरामदायक जूते और मोजे पहनें : नंगे पैर न चलें। आरामदायक जूते मोजे ही पहनें। सुनिश्चित करें कि अस्तर चिकना हो और आपके जूते के अंदर कोई चुभने वाली चीज न हो।
» पैरों में रक्त परिसंचरण सुनिश्चित करें : बैठने पर पैरों को ऊपर की ओर रखें। पैर की उंगलियों को घुमाएं और अपने टखनों को पांच मिनट तक दिन में दो या तीन बार ऊपर-नीचे करें।
» अपने नाखूनों को नियमित रूप से काटें।

स्कीन केयर

मानसून में इस तरह स्किन केयर कर सकते हैं पुरुष

बरसात के मौसम में आपको अपने हेल्थ का विशेष ध्यान रखना होता है। उसमें भी मानसून में आपको आपकी स्किन का भी काफी ख्याल रखना चाहिए। इसमें भी पुरुषों को भी अब स्किन केयर की जरूरत होती। आइए जानते हैं किस तरह से आप इस मानसून में अपने चेहरे का ख्याल रख सकते हैं।

» बारिश का मौसम त्वचा की प्राकृतिक चमक और नमी को कम कर सकता है। इसलिए इन्हें बरकरार रखने के लिए खूब पानी पिएं। रोज चाय विशेष रूप से हर्बल टी का इस्तेमाल करें। ये आपके शरीर में नमी बरकरार रखने के साथ ही त्वचा में चमक बनाए रखने में मदद करेगा।

» थोड़े थोड़े समय पर अपना चेहरा फेस वाइप्स से साफ करते रहें तो ये चिपचिपा और डल नहीं दिखेगा साथ ही चेहरे पर कालापन भी नहीं झलकेगा।

» बरसात के मौसम में ऑइली फेस क्रीम अवॉइड करें इसके इस्तेमाल से रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और त्वचा सांस नहीं ले पाती, जिससे मुंहासे भी हो सकते हैं, इसलिए इस मौसम में कम से कम थिक और चिकनी क्रीम यूज करें।

» मानसून में तले हुए फूड जैसे पकौड़े आदि खाना अच्छा लगता है पर बेहतर होगा कि अपने चेहरे को दाग-धब्बे से सुरक्षित रखने के लिए कम मात्रा में ही इनका सेवन करें और इच्छा होने पर होम मेड चीजें ही खायें।

» मानसून के समय सिर में खुजली होना, डैंड्रफ होना आम समस्या है, इसलिए साफ्ट एंटी-डैंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करें, जो बालों को नमी माइश्चर भी करता है, पिरोक्टोन ओलेमाइन और विटामिन बी-5 वाले प्रोडेक्ट इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा।

» बातों को रेग्युलरली वाश करें। ताकि गंदगी जम ना सके। इसके अलावा कापेशिश करें की बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचने के लिए स्कैल्प को सूखा रहे।

मानसून में गाड़ी की सेहत का रखेंगे ध्यान

तो नहीं होंगे परेशान

मानसून के मौसम में अधिकतर महानगरों, नगरों, कस्बों और गाँवों में जलजमाव की स्थिति हो जाती है जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या होना आम बात हो गयी है। आप सभी ने देखा होगा कि बारिश में अकसर कोई कार, बस, बाइक या स्कूटर बीच रास्ते में खराब हो गया है और उसका चालक उसे ठीक करने की मशक्कत में लगा हुआ है लेकिन उसकी गाड़ी बीच रास्ते में खड़े हो जाने के कारण जाम बढ़ता चला जाता है। प्रभासाक्षी के चैनल काम की बात में हम आपको इस सप्ताह बता रहे हैं कि किस तरह अपनी गाड़ी को मानसून का सामना करने के लिए तैयार किया जाये। यकीन जानिये इन सुझावों पर ध्यान देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

» सबसे पहले तो हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि गाड़ी चाहे जितनी पुरानी हो जाये अधिकृत सर्विस सेंटर से ही उसकी सर्विस करानी चाहिए। बाहर आपकी गाड़ी की सर्विस या कोई पार्ट आदि सस्ते में डल तो सकता है लेकिन वह बीच रास्ते में आपको धोखा भी दे सकता है।

» मानसून से पहले गाड़ी के ब्रेक जरूर चेक करवा लें क्योंकि यदि आप स्पीड में चल रहे हैं और अचानक ही आपका ब्रेक मारने पड़ें तो गाड़ी पूरी तरह रुकने में थोड़ा समय लेती है ऐसे में यदि ब्रेक ढीले हुए तो हादसा भी हो सकता है।

» गाड़ी के वाइपर ब्लेड चेक करें यदि यह घिस गये हैं तो इन्हें बदलवा लें वरना भारी वर्षा की स्थिति में आपको गाड़ी चलाने में दिक्कत होगी।

» कार के टायर यदि घिस गये हैं तो इन्हें बदलवा लें।

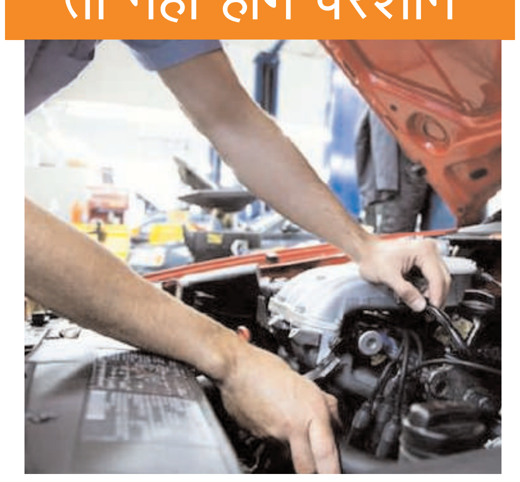

» मानसून से पहले जब कार की सर्विस करायें तो चेसिस में पानी निकलने वाली जगह को जरूर चेक कराना चाहिए ताकि गाड़ी की चेसिस के अंदर वर्षा का पानी इकट्ठा नहीं हो सके।

» बारिश में ड्राइव कर के आने के बाद गाड़ी की अच्छी तरह वाशिंग करानी चाहिए। आजकल तो यह सुविधा अकसर पेट्रोल पंपों पर भी उपलब्ध होती है।

» बारिश के दौरान अकसर दिन में ही कई जगह अंधेरा-सा हो जाता है इसलिए गाड़ी की हेडलाइट, इंडिकेटर आदि दुरुस्त रहने चाहिए।

» अगर सड़क पर पानी भरा हुआ है तो कदापि स्पीड में नहीं चलें क्योंकि यदि कोई गड्ढा आदि हुआ तो गाड़ी सीधे उसमें चली जाएगी।

» एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि यदि आपको लग रहा है कि गाड़ी के अंदर पानी चले जाने के चलते गाड़ी बंद हो गयी है तो उसे खुद दोबारा स्टार्ट नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे पानी इंजन के अंदर घुसकर उसे लॉक कर सकता है। ऐसी स्थिति में लोगों की मदद लेकर गाड़ी को पानी से बाहर निकालें और उसके बाद उसे स्टार्ट करें।

» मानसून के मौसम में उमस काफी बढ़ जाती है। इसलिए कार को ढक कर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे गाड़ी में रस्ट लगने का खतरा होता है।

» यदि आप ऐसे इलाके में रहते हैं जहां पक्की सड़कें नहीं हैं तो मानसून के मौसम में गाड़ी में बूट की मजबूत रस्सी जरूर रखनी चाहिए ताकि यदि गाड़ी गीली मिट्टी में फंस जाये तो उसे आसानी से बाहर खींचकर निकाला जा सके।

» यदि बाइक चलाते हैं तो प्लग की जांच करवाते रहें क्योंकि उसमें कचरा फंस जाने से बाइक बीच रास्ते में ही बंद हो सकती है।

रोज 2 घंटे चलाते हैं कार तो सावधान, आपको हो सकती हैं ये दिक्कतें

मेट्रो और छोटे शहरों में ड्राइव करने का चलन काफी बढ़ गया है. ऑफिस जाने के लिए लोग अब कार का ही इस्तेमाल करते हैं. हालांकि ऐसा करना कई लोगों की मजबूरी भी है क्योंकि मेट्रो शहरों में सार्वजनिक यातायात की हालत बहुत खराब है और जिनके पास कार है वह समय बचाने के लिए अपने ही वाहन का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन ड्राइविंग की यह आदत या मजबूरी अब सेहत पर भी असर डाल रही है. एक शोध के मुताबिक अगर आप दिन में 2 घंटे ड्राइविंग करते हैं तो इसका यह स्वास्थ्य पर असर डालता है.

क्या होता है सेहत पर असर

1- ड्राइविंग के दौरान तनाव का स्तर बढ़ जाता है. कई बार तो यह सबसे ज्यादा तनाव का कारण बन जाता है.

2- लंबी ड्राइविंग या लगातार ड्राइविंग थकान की वजह बन जाती है जिससे काम करने की क्षमता प्रभावित हो जाती है.

3- जो लोग ज्यादा ड्राइविंग करते हैं नींद में कमी, डिप्रेशन की समस्या हो जाती हैं.

4- एक ही स्थिति में बैठे होने की वजह से पीठ और रीढ़ की हड्डियों की पर भी बुरा असर डालती है.

5- अगर कोई ऑफिस जाने के दौरान रोज ट्रैफिक का सामना करता है तो उनको ज्यादा गुस्सा आता है.

6- ड्राइविंग की आदत बीपी और शुगर की बीमारी को न्यौता दे सकता है और मोटापा बढ़ सकता है.

कैसे करें बचाव

1- आधे घंटे से ज्यादा ड्राइव न करें. बहुत जरूरी है तो गाड़ी रोककर स्ट्रेचिंग करें.

2- अगर रोज 2 घंटे ड्राइव करना मजबूरी है तो योगा जरूर करें.

3- कार की सीट को घुमावदार बनवाएं नहीं तो सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस होने का खतरा है.

4- गाड़ी में बैठने के बाद तुरंत एसी न चलाएं. थोड़ी देर तक विंडो खुला रहने दें. उसके बाद ही एसी चलाएं.

रेसिपी

बेबी फ्रिटर्स

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 क्यूब्स चीज
1/2 कप ब्रैडक्रंब्स
तेल तलने के लिए
12 स्टिक्स
1/2 कप मकई दाना(उबला व कटा)
4 चम्मच मैदा
लालमिर्च और नमक स्वादानुसार
आमचूर स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले आलू, नमक, मिर्च, मकई व आमचूर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण की गोलगोल छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर बीच में थोड़ा सा चीज भर कर स्टिक लगा दें। अब एक कटोरी में मैदे का घोल तैयार करके रख लें। पहले बॉल्स को मैदे के गोल में डिप करें और फिर ब्रैडक्रंब्स लपेटें और तेल में फ्राई करें। बेबी फ्रिटर्स तैयार है इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

सामग्री

1/2 कप कसी हुई मूली
1 कप मकई का आटा
1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, पर्याप्त मात्रा में गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक बाग को 2 पलासटिक शीट के बीच रखकर, 125 मिमी। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव

पश्चिम एशिया में उपजे भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक व्यापार, समुद्री परिवहन और मूल्य संतुलन के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऊर्जा और माल ढुलाई की लागत बढ़ने से पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला दबाव में है। इसके बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस लचीलेपन का प्रदर्शन किया है, वह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच इसे एक बेहद मजबूत स्थिति में खड़ा करता है। आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि इस बाहरी झटके का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है और परिस्थितियां पहले की तुलना में कम प्रतिकूल हो रही हैं। हालांकि जुलाई में आईएमएफ के नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ने 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन विश्व बैंक का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमत और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद भारत 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा। भारत की इस मजबूती के पीछे उसकी घरेलू आर्थिक गतिविधियां मुख्य आधार बनी हुई हैं। वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि चौथी तिमाही की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही। जून में भारत का संयुक्त पीएमआई 57.4 पर रहा, जो 50 के स्तर से काफी ऊपर है। यह दर्शाता है कि निजी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं अब भी मौजूद हैं। सेवा और विनिर्माण क्षेत्र की लगातार मजबूत होती गतिविधियां बाहरी झटकों के असर को काफी हद तक कम कर सकती हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष का तात्कालिक और सीधा असर ऊर्जा, समुद्री माल ढुलाई, बीमा और आपूर्ति की समय-सीमा पर पड़ा था, लेकिन युद्धविराम के प्रयासों से समुद्री परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा दबाव अब कम होने लगा है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस क्षेत्र में युद्ध के गंभीर हालात नहीं बनते हैं, तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे पर पड़ने वाला प्रभाव शुरुआती आशंकाओं की तुलना में आधा ही रह जाएगा। भारत चूंकि कच्चे तेल का एक बड़ा आयातक है, इसलिए तेल की कीमतों में थोड़ी सी भी वृद्धि महंगाई, चालू खाते के संतुलन और उद्योगों की लागत पर व्यापक असर डाल सकती है। ऐसे में राहत की बात यह है कि पश्चिम एशिया का यह झटका फिलहाल नियंत्रित किया जा सकने वाला लग रहा है। किसी भी वैश्विक संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार एक बड़े रक्षा कवच का काम करता है। जनवरी के अंत तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 723.8 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर था। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, यह भंडार एक वर्ष से अधिक अवधि के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार नीति-निर्माताओं को यह क्षमता प्रदान करता है कि वे अस्थिरता का डटकर सामना करते हुए भी आर्थिक विकास की गति को बनाए रख सकें। हालांकि, चूंकि महंगाई आर्थिक चक्र का सबसे संवेदनशील पहलू बन गई है, इसलिए कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव पर विशेष ध्यान देना होगा। खुदरा महंगाई अप्रैल के 3.48 प्रतिशत से बढ़कर मई में 3.93 प्रतिशत हो गई, जबकि थोक महंगाई 9.68 फीसदी तक पहुंच गई। यद्यपि ये आंकड़े उत्पादन लागत बढ़ने का परिणाम हैं और बताते हैं कि वैश्विक आपूर्ति के झटके घरेलू कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, फिर भी पिछले संकटों की तुलना में महंगाई फिलहाल काफी नियंत्रण में है। इससे सरकार और रिजर्व बैंक को जल्दबाजी में कोई कठोर मौद्रिक कदम उठाने की जरूरत नहीं होगी। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में सामान्य स्थिति बहाल होती है, तो समुद्री परिवहन की अनिश्चितता खत्म होगी, माल ढुलाई की लागत घटेगी और औद्योगिक कच्चे माल का आयात करने वाली कंपनियों के लिए योजना बनाना आसान हो जाएगा। जब इन अनुकूल परिस्थितियों को भारत के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, स्थिर घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र की आय के साथ जोड़ा जाता है, तो यह आर्थिक विकास के अगले चरण के लिए एक बेहद मजबूत आधार तैयार करता है।

ऊर्जा और माल ढुलाई की लागत बढ़ने से पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला दबाव में है। इसके बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस लचीलेपन का प्रदर्शन किया है, वह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच इसे एक बेहद मजबूत स्थिति में खड़ा करता है। आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि इस बाहरी झटके का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है और परिस्थितियां पहले की तुलना में कम प्रतिकूल हो रही हैं। हालांकि जुलाई में आईएमएफ के नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ने 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन विश्व बैंक का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमत और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद भारत 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा। भारत की इस मजबूती के पीछे उसकी घरेलू आर्थिक गतिविधियां मुख्य आधार बनी हुई हैं। वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि चौथी तिमाही की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही।

कुछ अलग

सुरक्षा परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की ओर से गगनयान अभियान की सुरक्षा और सफलता सुनिश्चित करने की दृष्टि से किए गए क्रू मॉड्यूल प्रणाली के तीन परीक्षण सफलता के साथ संपन्न हो गए। ये परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी, आपात स्थिति में मॉड्यूल को सीधा रखने और पैराशूट की मजबूती परखने से संबंधित हैं। क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष यान का वह कक्ष होता है जिसमें बैठकर अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरते हैं। यह अंतरिक्ष के कठोर वातावरण में यात्रियों के रहने के लिए तैयार किया गया एक वातानुकूलित मजबूत कैप्सूल होता है, जो यात्रियों को विकीरण और अधिकतम तापमान के दुष्प्रभावों से बचाता है। ये सभी परीक्षण मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले की हरितभूमि से जुलाई-2026 में किए गए। देश के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे, को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए क्रू एस्केप सिस्टम यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर विश्व कीर्तिमान रच दिया है। इस बचाव प्रणाली की जरूरत इसलिए थी, क्योंकि यान के असफल होने पर कई वैज्ञानिक प्राण गंवा चुके हैं। हालांकि ये परीक्षण समुद्र के ऊपर आसमान में किए जाते हैं, ऐसे परीक्षणों में क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से छोड़ा जाता है और फिर इसे रॉकेट से अलग कर समुद्र में गिरा दिया जाता है। भारत यह परीक्षण पहले ही कर चुका है।

परीक्षणों में क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से छोड़ा जाता है और फिर इसे रॉकेट से अलग कर समुद्र में गिरा दिया जाता है

गगनयान उड़ान पूर्व के सुरक्षा परीक्षण हुए सफल

प्रमोद भार्गव

परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी, आपात स्थिति में मॉड्यूल को सीधा रखने और पैराषूट की मजबूती परखने से संबंधित है। क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष यान का वह कक्ष होता है, जिसमें बैठकर अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरते है। यह अंतरिक्ष के कठोर वातावरण में यात्रियों के रहने के लिए तैयार किया गया एक वातानुकुलित मजबूत कैप्सूल होता है, जो यात्रियों को विकीरण और अधिकतम तापमान के दुश्प्रभावों से बचाता है। ये सभी परीक्षण मध्यप्रदेष के ष्योपुर जिले की हरितभूमि से जुलाई-2026 में किए गए। देष के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए क्रू एस्केप सिस्टम यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर विष्व कीर्तिमान रच दिया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अभियान गगनयान अभियान की सुरक्षा और सफलता सुनिषचत करने की दृश्टि से किए गए क्रू मॉड्यूल प्रणाली के तीन परीक्षण सफलता के साथ संपन्न हो गए। ये परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी, आपात स्थिति में मॉड्यूल को सीधा रखने और पैराषूट की मजबूती परखने से संबंधित है। क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष यान का वह कक्ष होता है, जिसमें बैठकर अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरते है। यह अंतरिक्ष के कठोर वातावरण में यात्रियों के रहने के लिए तैयार किया गया एक वातानुकुलित मजबूत कैप्सूल होता है, जो यात्रियों को विकीरण और अधिकतम तापमान के दुश्प्रभावों से बचाता है। ये सभी परीक्षण मध्यप्रदेष के ष्योपुर जिले की हरितभूमि से जुलाई-2026 में किए गए। देष के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए क्रू एस्केप सिस्टम यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर विष्व कीर्तिमान रच दिया है। इस बचाव प्रणाली की जरूरत इसलिए थी, क्योंकि यान के असफल होने पर कई वैज्ञानिक प्राण गंवा चुके हैं। हालांकि ये परीक्षण समुद्र के ऊपर आसमान में किए जाते हैं, ऐसे परीक्षणों में क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से छोड़ा जाता है और फिर इसे रॉकेट से अलग कर समुद्र में गिरा दिया जाता है। भारत यह परीक्षण पहले ही कर चुका है। इसके विपरीत ष्योपुर में किए गए परीक्षण के अंतर्गत अम्बिलिकल मैकेनिज्म अलगाव प्रणाली के द्वारा अंतरिक्ष यात्रियों वाले क्रू मॉड्यूल और इसे ऊर्जा देने वाले सर्विस मॉड्यूल जो आपस में जुड़े होते हैं, इन्हें आसमान में छोड़ा जाता है। फिर वायुमंडल में प्रवेष से ठीक पहले इन दोनों हिस्सों को बिना किसी बाधा के अलग करने की प्रक्रिया का परीक्षण किया जाता है। इसके तहत क्रू मॉड्यूल से जुड़े पैराषूट के डिब्बे को सुरक्षित रखने वाले ढक्कन (एपेक्स कवर) को अलग किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान क्रू मॉड्यूल की उस क्षमता को परखा गया जो उड़ान के

समय पड़ने वाले दबाव के 1.75 अधिक होती है। इस जांच का लक्ष्य अधिकतम संभावित वजन की स्थिति में पैराशूट की तकनीकी क्षमता और मजबूती को परखना होता है। इस परीक्षण में इसरो का सब-ऑर्बिट लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट अभियान खरा साबित हुआ। इस परीक्षण से पहले जून 2026 में गगनयान के अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के इंजन (एलवीएम-3) का 90 प्रतिशत थ्रस्ट भार परीक्षण भी जांच कर लिया गया है। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देष्य कालांतर में मानव रहित गगनयान-जी-1 और अंतिम मानवयुक्त मिषन के लिए तकनीकी खामियों की संभावना को षून्य करना रहा है। 2027 मानवयुक्त गगनयान अंतरिक्ष में छोड़ा जा सकता है। इसके बाद 2035 में भारत अंतरिक्ष स्टेषन स्थापित करने का इच्छुक है और फिर 2040 में चंद्रमा पर भारतीय नागरिकों को उतारने की कल्पना की जा रही है। मानव युक्त गगनयान को छोड़ने से पहले भारत मानवरहित गगनयान छोड़कर वास्तविक उड़ान की सभी तकनीकों को परखेगा, जिससे किसी भी हादसे की आषंका दूर बनी रहे। इस यात्रा में हाफ ह्मूमनॉइड रोबोट 'व्योममित्र' को भेजा जाएगा। यह एक ऐसा रोबोट होता है, जो षारीरिक संरचना में इंसानों जैसा अनुभव होता है। इसे 'रोबोट-मानव' कहते है। यह रोबोट महिला के रूप में यात्रा करेगी। इस व्योमित्र को वैज्ञानिक क्रू मॉड्यूल की प्रणाली में जोड़ने का काम फिलहाल कर रहे हैं। व्योमित्र अंतरिक्ष में मानवीय गतिविधियों की नकल करेगी और जीवन-सुरक्षा प्रणाली को परखेगी। साथ ही कक्ष पर वायुमंडल के पड़ने वाले दबाव पर भी नजर रखेगी। यह अभियान गगनयान की धरती पर वापसी और समुद्र में लैंडिग की प्रक्रिया का डेटा जुटाएगा। जिससे, मानवयुक्त अंतरिक्ष मिषन को षत-प्रतिषत सुरक्षित बनाया जा सके। हालांकि इसके बाद मानव रहित जी-2 और जी-3 मिषनों के द्वारा भी नए परीक्षण किए जा सकते हैं। इस मिषन के लिए 10 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए जा चुके हैं। अब तक भारतीय या भारतीय मूल के चार वैज्ञानिक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। शर्मा रूस के अंतरिक्ष यान सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष गए थे। इनके अलावा भारतीय मूल की कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अमेरिकी कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष जा चुकी हैं। 2025 में शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी। शुक्ला ने अंतरिक्ष में बीज बोने का अनूठा कार्य किया था। ये सावधानियां इसलिए बरती जा रही हैं, क्योंकि अमेरिकी मानव मिशन की असफलता के चलते भारतीय महिला वैज्ञानिक कल्पना चावला की मृत्यु हो गई थी। वे कोलंबिया अंतरिक्ष यान आपदा में मारे गए 7 यात्री दल सदस्यों में से एक थीं। इसी दृष्टि से अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा-प्रणाली इसरो ने विकसित की है। मानवरहित यान अपना लक्ष्य साध लेता है तो 2027 में रोबोट मानव के साथ गगनयान भेजने की तैयारी में भारत है। अब तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही अंतरिक्ष में अपने मानवयुक्त यान भेजने में सफलता पाई है। रूस ने 12 अप्रैल 1961 को रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन को अंतरिक्ष में भेजा था। गागरिन दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री थे। अमेरिका ने 5 मई 1961 को एलन शेपर्ड को अंतरिक्ष में भेजा था। ये अमेरिका से भेजे गए पहले अंतरिक्ष यात्री थे। चीन ने 15 अक्टूबर 2013 को यांग लिवेई को अंतरिक्ष में भेजने की कामयाबी हासिल की थी। गोया, भारत ने अब अंतरिक्ष में बड़ी छलांग लगाने की पुख्ता तैयारी कर ली है। मानवयुक्त गगनयान में अंतरिक्ष यात्री लगभग 3 से 7 दिन बिताते हुए सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों से जुड़े अनेक वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। इस ऐतिहासिक यात्रा में जाने वाले यात्रियों के नाम भी तय हो गए हैं। ये हैं, प्रशांत बालकृष्णन , अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला हैं। वर्तमान में उन्हें अंतरिक्ष यात्रा का गंभीर परीक्षण दिया जा रहा है। बहरहाल अंतरिक्ष में भारतीय मानव मिषन के सफल होने के बाद ही चंद्रमा और मंगल पर मानव भेजने का रास्ता खुलेगा। इन पर बस्तियां बसाए जाने की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। आने वाले वर्शों में अंतरिक्ष पर्यटन के भी बढ़ने की उम्मीद है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष पर्यटन की पृश्ठभूमि का एक हिस्सा है। यह अभियान देष में अंतरिक्ष षोधकार्यों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रोद्यौगिकी तैयार करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का तो यहां तक दावा है कि दवा, कृषि, औद्योगिक सुरक्षा, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन तथा पानी एवं खाद्य स्रोत प्रबंधन के क्षेत्र में भी तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

देश दुनिया से

युद्ध से ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्रयास तेज

लगभग साढ़े तीन महीने के खाड़ी युद्ध के बाद अमरीका और ईरान में शांति समझौते के फलस्वरूप स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की आवाजाही होती है, अब खुल चुका है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने के कारण जहां तेल की आवाजाही बाधित हुई थी, तेल की कीमतें भी भीषण रूप से बढ़ गई थी। कच्चे तेल की कीमत, जो युद्ध से पहले मात्र 70 से 80 डालर प्रति बैरल के आसपास थी, इस दौरान एक बार बढक़र 126 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। हालांकि तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आते रहे, लेकिन यह लगभग 100 डालर प्रति बैरल के आसपास चलती रही। तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा के कारण उनकी कमी से तो जनता प्रभावित थी ही, तेल की बढ़ती कीमतों के कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ती जा रही थी। हालांकि अमरीका स्वयं पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति की दृष्टि से आत्मनिर्भर है, फिर भी तेल की इस महंगाई से अमरीका भी अछूता नहीं था। इस संदर्भ में भारत समेत दुनिया भर में अब आयातित तेल पर निर्भरता कम करने की बात चल निकली। इसमें पहला सवाल यह था कि क्या ईंधन में आत्मनिर्भरता संभव है? आज भारत की कच्चे तेल हेतु विदेशों पर निर्भरता लगभग 88 प्रतिशत है और अपनी गैस संबंधी आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत हम आयात करते हैं। होर्मुज का मार्ग अवरोध होने के बाद अचानक इन पदार्थों की किल्लत के कारण न केवल उनकी कीमतों पर असर पड़ा, बल्कि हमारे छोटे-छोटे रेस्टोरेंट और रेहड़ी-पटरी पर चाय बेचने वालों से लेकर औद्योगिक प्रतिष्ठानों, जो गैस पर निर्भर थे, उनके व्यवसाय पर असर पडऩा शुरू हो गया। ऐसे में देश में यह विचार शुरू हुआ कि भारत ईंधन और ऊर्जा की दृष्टि से कैसे आत्मनिर्भर हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने हेतु जो सात आग्रह देश की जनता से किए, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, कार पूलिंग और वर्क फ्रॉम होम, सीधे-सीधे पेट्रोलियम उत्पादों पर देश की निर्भरता कम करने की ओर इशारा कर रहे थे। लेकिन समझना

होगा कि अल्पकाल में तो हम ऊर्जा का कम उपयोग करके विदेशी मुद्रा बचा सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही एक मात्र विकल्प है। बायो-गैस पेट्रोलियम गैस का एक बहुत बड़ा विकल्प बन सकता है। आज भारत के ऐसे संसाधनों, जिसमें गोबर, कृषि अवशेष, घरेलू कूड़ा इत्यादि कई ऐसे स्रोत हैं जिनसे बायो गैस बनाई जा सकती है, जिसमें से मात्र 5 प्रतिशत ही उपयोग कर पा रहे हैं। स्वाभाविक है कि यदि इस संबंध में प्रयास हों तो हर गांव और ग्राम समूह के स्तर पर बायो गैस प्लांट लगाए जा सकते हैं और उनसे न केवल गांवों की स्थानीय ईंधन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है, और आयातित गैस पर निर्भरता कम हो सकती है, बल्कि ईंधन की लागत को भी काफी कम किया जा सकता है। यही नहीं वाहनों में थोड़ा बहुत बदलाव करके हम उन्हें भी बायो गैस पर चला सकते हैं। देश में पेट्रोल और डीजल वाहनों के लिए अभी भी अपरिहार्य माना जाता रहा है। लेकिन हम यह भी जानते हैं कि आज से एक दशक पहले तक भारत में बिजली की कमी हुआ करती थी, लेकिन आज पूरे देश में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होने के बाद भी बिजली का अतिरेक रिकार्ड किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ पिछले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में भरपूर वृद्धि हुई है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, जो 2014 में मात्र 35 गीगावाट की थी, अभी तक बढक़र 200 गीगावाट से ज्यादा हो चुकी है और इसमें हर साल 25 से 30 गीगावाट क्षमता जुड़ जाती है। हालांकि पहले भी बढ़ती ऊर्जा कीमतें हमें ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर प्रेरित कर रही थीं, लेकिन युद्ध के कारण कीमतों में और बढ़ोतरी और सप्लाई में रुकावटों ने इन प्रयासों को और तेज कर दिया है। बिजली उत्पादन के लिए बड़ी क्षमता स्थापित करने के परिणामस्वरूप, भारत ऊर्जा क्षेत्र में लगभग आत्मनिर्भर हो चुका है, बल्कि हम ऑफ पीक घंटों के दौरान अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी करते हैं। घरेलू उपयोग के लिए सोलर इंस्टॉलेशन पर सब्सिडी के रूप में अधिक प्रोत्साहन मिलने से बिजली उत्पादन की क्षमता और बढ़ेगी। सरकार देश में सोलर उपकरणों और पवन ऊर्जा उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है, जिससे बिजली उत्पादन के लिए क्षमता बढ़ाने की संभावनाएं और बढ़ेंगी। इसलिए, अब पेट्रोल और डीजल वाहनों से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढऩे का समय आ गया है। हम आसानी से इलेक्ट्रिक बसों, इलेक्ट्रिक ट्रकों, इलेक्ट्रिक कारों और इलेक्ट्रिक स्कूटरों को अपना सकते हैं। इससे भारी मात्रा में पेट्रोल और डीजल की बचत हो सकती है, और इस प्रकार विदेशों पर निर्भरता कम हो सकती है और कीमती विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। आवागमन के अलावा, हम बिजली से चलने वाले खाना पकाने के उपकरणों, जैसे इंडक्शन, का भी अधिक उपयोग कर सकते हैं। देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए अनुसंधान में नए विकास हमारी ऊर्जा सुरक्षा को और बढ़ा सकते हैं। सरकार बायो-गैस उत्पादन को बड़ा बढ़ावा दे रही है, और अनुसंधान तथा विकास भी बायो गैस को संकुचित (कम्प्रेस) करने में मदद कर रहा है और वाहनों में इसका उपयोग भी संभव हो रहा है। इस तरह के प्रयोग पहले से ही सफल हो रहे हैं।

आप का नज़रिया

सभ्यताओं के टकराव का युद्ध

पांच दिन, तीन रातें और कुल 310 विनाशक, विध्वंसक हमले...।! क्या इन हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोर्चाबंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे। बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय नाविक लगातार लापता बताया जा रहा है। असीम समंदर में 'लापता' के मायने समझे जा सकते हैं। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है। एकदम जहाज के इंजन रूम पर मिसाइलें दागने का समुद्री आवागमन की कोई भी वैश्विक रणनीति नहीं है। इस युद्ध में सब कुछ अंधाधुंध चल रहा है। कोई नैतिकता नहीं, कोई युद्ध नीति और आचार संहिता नहीं। अंतरराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं तो मृतप्राय: हैं। बहरहाल खाड़ी देशों में ही 18,000 से अधिक भारतीय विभिन्न जहाजों पर नाविक का दायित्व निभा रहे हैं। विश्व भर के समंदर पर 3 लाख से अधिक भारतीय नाविक जहाजों का संचालन कर रहे हैं।

हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोर्चाबंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे।

दृष्टि कोण

प्रवासी मजदूरों के अधिकार और नये लेबर कोड

देश के कुल खनिजों का लगभग 40 फीसदी हिस्सा झारखंड में है। यहां कई बड़ी महारत्न, नवरत्न और मिनिरत्न कंपनियों के मुख्यालय स्थित हैं। टाटा और अडानी जैसी बड़ी निजी कंपनियों की भी यहां भारी मौजूदगी है। फिर भी, रोजगार के बेहतर अवसरों की तलाश में हर साल लाखों प्रवासी मजदूर दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं। इसके दो कारण हैं। पहला, पर्याप्त संख्या में कुशल नौकरियों का न होना और दूसरा, वेतन बहुत कम होना। एसबीआइ की एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में करीब 65 फीसदी नौकरियों में कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन से भी कम वेतन दिया गया। नगरपालिका क्षेत्रों के लिए भी आज लागू न्यूनतम वेतन की अधिकतम दर 13,385 से 21,336 रुपये के बीच है, जो कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। ऐसे में मजदूर बाहर जाने को मजबूर हो जाते हैं। पर इसके साथ चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। अक्सर ठेकेदार उनका शोषण करते हैं और कई मामलों में उन्हें वेतन में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। नये लेबर कोड इनमें से कुछ चुनौतियों का समाधान करते हैं। ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड, 2020 में दूसरे राज्यों से आने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए कुछ सुरक्षा उपाय दिये गये हैं। उन्हें अपॉइंटमेंट लेटर और यात्रा भत्ता दिया जाना है, ताकि वे साल में कम से कम एक बार घर आ सकें। शिकायतें दर्ज कराने के लिए उनके लिए एक केंद्रीय हेल्पलाइन भी है। झारखंड सरकार द्वारा भी एक हेल्पलाइन चलायी जाती है। उन्हें सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत मिलने वाले फायदे भी दिये जायेंगे। ऐसे कर्मचारियों को भी वैसी सुविधाएं पाने का अधिकार है, जैसी मुख्य नियोक्ता नियमित कर्मचारियों को देता है। उन्हें वेतन देने की मुख्य जिम्मेदारी ठेकेदार की होती है। अगर वह वेतन अवधि खत्म होने के सात दिनों के भीतर भुगतान नहीं कर पाता है, तो यह जिम्मेदारी मुख्य नियोक्ता पर आ जाती है, जिसे 15 दिनों में भुगतान करना होता है। अगर वह भी भुगतान नहीं कर पाता, तो संबंधित सरकारी अधिकारी वेतन का भुगतान करवा सकते हैं। कर्मचारियों की सेहत व सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मुख्य

नियोक्ता की होती है। न्यूनतम वेतन के संबंध में 'वेतन संहिता, 2020' में 'फ्लोर वेज' की अवधारणा का प्रावधान है। केंद्र सरकार को फ्लोर वेज तय करने का अधिकार दिया गया है। उसके बाद किसी भी राज्य को फ्लोर वेज के स्तर से कम न्यूनतम वेतन तय करने की अनुमति नहीं होगी। इससे नोएडा में हुए विरोध-प्रदर्शन जैसी स्थितियों को संभालने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इससे झारखंड जैसे राज्यों में न्यूनतम वेतन कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने में कोई मदद नहीं मिलती, जहां ज्यादातर नियोक्ता इसके उल्लंघन के बावजूद बच निकलते हैं। गौरतलब है कि यू उनीचोयी बनाम केरल राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, नियोक्ता की भुगतान करने की क्षमता कम से कम न्यूनतम वेतन का भुगतान करने की उसकी जिम्मेदारी पर असर नहीं डालती है। इसमें कुछ बड़ी कमियां भी हैं। जैसे, नये कोड में 'डिस्प्लेसमेंट अलाउंस' का कोई जिक्र नहीं है। इसमें ऐसी पासबुक का भी प्रावधान नहीं है, जिसमें प्रवासी मजदूर की नौकरी से जुड़ी सभी जानकारी हो। बलवंत राय सलूजा बनाम एयर इंडिया मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि एयर इंडिया की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी द्वारा चलायी जाने वाली कैंटीन के कर्मचारियों को एयर इंडिया का कर्मचारी नहीं माना जा सकता, भले वह कैंटीन मुख्य रूप से उसी कंपनी के लिए काम करती हो। उस मामले में तय किया गया पैमाना 'प्रभावी और पूर्ण नियंत्रण' का था; असल में, यह पैमाना पारंपरिक नौकरी के रिश्ते में ही पूरा हो सकता है और किसी भी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर के लिए इसे साबित करना लगभग नामुमकिन होगा।

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सीरीज की बराबर

गयाना

स्पिनर जेडेन लेनाक्स के करियर के पहले पांच विकेट और न्यूजीलैंड के स्पिन आक्रमण के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

प्रोविडेंस स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार सोमवार को खेले गए मुकाबले में लेनाक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने दो-दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। जान कैंपबेल (43) और अकीम आगस्टे (18) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। आगस्टे के आउट होने के बाद कैंपबेल भी सैंटनर का शिकार बने। इसके बाद लेनाक्स ने कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को लगातार झटके देकर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। कीसी कार्टी, गुडाकेश मोती, मैथ्यू फोर्ड, आमिर जंगू, विटेल लाज और अन्य बल्लेबाज भी स्पिनरों के सामने टिक नहीं सके।

न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए और पूरी वेस्टइंडीज टीम 36 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को भी शुरुआती झटके लगे। विल यंग (28) अच्छी शुरुआत के बाद आउट हुए, जबकि मार्क चैपमैन रन आउट हो गए। हेनरी निकोल्स भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद डेरिल मिचेल (28) और टाम लैथम ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए अहम साझेदारी की। हालांकि मिचेल और डीन फाक्सक्राफ्ट के विकेट गिरने से एक समय मुकाबला थोड़ा रोचक हुआ, लेकिन टाम लैथम (नाबाद 37) और माइकल ब्रैसवेल ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को 32.4 ओवर में 141/5 तक पहुंचाकर जीत दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026: स्पेन के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले एमबाप्पे ने नहीं किया अभ्यास

डलास। फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले सोमवार को टीम के अंतिम अभ्यास सत्र में पूरा हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, टीम प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि उनकी मामूली टखने की चोट गंभीर नहीं है और वह स्पेन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। एमबाप्पे को पिछले सप्ताह मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान टखने में हल्की चोट लगी थी। फ्रांस ने वह मैच 2-0 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। मुकाबले के अंतिम चरण में एहतियातन उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। सेमीफाइनल से पहले सोमवार को आयोजित अभ्यास सत्र में एमबाप्पे ने सीमित समय तक ही हिस्सा लिया। फ्रांस के मुख्य कोच दिदिएर डेशां ने उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की चिंता से इनकार किया। डेशां ने कहा, किलियन पूरी तरह ठीक हैं। उन्होंने अभ्यास किया है। हमने केवल उनकी ट्रेनिंग का समय थोड़ा कम रखा। जहां बाकी खिलाड़ी एक ड्रिल में 15 मिनट रहे, वहीं एमबाप्पे ने 10 मिनट तक हिस्सा लिया। विश्व कप में शानदार फार्म में चल रहे एमबाप्पे फ्रांस के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए हैं। ऐसे में स्पेन के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में उनकी मौजूदगी फ्रांस के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। फ्रांस और स्पेन के बीच यह बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल मंगलवार को खेला जाएगा, जिसमें विजेता टीम विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश करेगी।

भारत की सान्या चेन्नई चैलेंजर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंची

चेन्नई। भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी सान्या वत्स अच्छा प्रदर्शन करते हुए यहां जारी एचसीएल स्क्वैश पीएसए चैलेंजर टूर-स्क्वैश एकेडमी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सान्या इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। सान्या ने महिला क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त सान्या ने अपनी ही देश की आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति त्रिपाठी को चार रोमांचक गेम में 11-6, 11-5, 8-11, 11-8 से हराया। अब सेमीफाइनल में सान्या का मुकाबला मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रौकैया ओथमान से होगा। रौकैया ने अपने क्वार्टर फाइनल में पूजा आरती रघु को 11-9, 13-11, 11-7 से हराया। वहीं अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में, तीसरी वरीयता प्राप्त राधिका सीलन को कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त ह्वायेओंग ईम ने 11-13, 11-4, 11-6, 11-5 से हराया जबकि अनन्या नारायणन ने टूर्नामेंट के पहले दौर में जेनेट विधि को चार गेमों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले विराट और गंभीर के बीच मतभेद की अटकलें

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को देखते

हुए भारतीय टीम ने यहां जमकर अभ्यास किया। शुभमन गिल की कप्तान में भारतीय टीम इस सीरीज में उतर रही है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा भी इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। पहले एकदिवसीय मैच से पहले विराट और कोच गौतम गंभीर के बीच विवाद की अटकलों से भारतीय खेमे की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विराट और गंभीर के बीच बातचीत बंद है। इससे टीम में आंतरिक कलह की आशंकाएं तेज हो गयी हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, अभ्यास सत्र के दौरान विराट और गंभीर के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। जब विराट नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे, तो गंभीर दूर से ही उन्हें देखते रहे। अभ्यास सत्र समाप्त होने के बाद, विराट सीधे बैटिंग कोच सितांशु कोटक के पास गए और उनसे लंबी चर्चा की, जबकि गंभीर से उन्होंने कोई बात नहीं की। इतना ही नहीं, जब गंभीर टीम के अन्य खिलाड़ियों से बात कर रहे थे, तो विराट बिना कुछ कहे सीधे अपना किट बैग लेकर आगे निकल गए। इससे भारतीय टीम में मतभेद की अटकलें शुरु हो गयीं।

गेंदबाजों के तूफान के बाद शुभमन गिल की मैच विनिंग पारी यूके दौरे पर भारत की पहली जीत, अंग्रेजों को किया चित

बर्मिंघम: इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा गए पहले वनडे में भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर ली है। इस मैच में जीत के साथ ही टीम इंडिया ने यूके दौरे पर 6 हार के बाद अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 258 रन लगाए। जिसके बाद टीम इंडिया ने शुभमन गिल , अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की शानदार पारियों के दम पर इस मैच को 4 ओवर पहले ही जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

शुभमन गिल ने टीम इंडिया को संभाला

पहले वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45.2 ओवरों में 4 विकेट खोकर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय पारी की शुरुआत कुछ खास नहीं रही जब रोहित शर्मा महज 11 रन बनाकर सैम करन का शिकार बने और विराट कोहली भी केवल 5 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर चलते बने। इसके बाद शुभमन गिल ने भारतीय पारी को संभाला और 75 गेंदों में 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वह रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर चले गए।

मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर ने 35 रनों का योगदान दिया और केएल राहुल केवल 1 रन ही बना सके। अंत में वाशिंगटन सुंदर ने शानदार अर्धशतक जमाते हुए नाबाद 52 रनों (63 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का) की सूझबूझ भरी पारी खेली और टीम को जीत की दहलीज के पार पहुंचाया।

अक्षर पटेल का शानदार प्रदर्शन

इस मुकाबले में ऑलराउंडर अक्षर पटेल भारत की जीत के सबसे बड़े मसीहा साबित हुए। जब टीम को एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी तब अक्षर ने बल्ले से तबाही मचाते हुए महज 52 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 57 रनों की धुआंधार पारी खेली और सुंदर के साथ मिलकर मैच को एकतरफा अंदाज में खत्म किया। बल्लेबाजी में इस शानदार प्रदर्शन से पहले अक्षर ने गेंद से भी कहर बरपाया था जहां उन्होंने अपनी फिरकी के जाल में फंसाकर इंग्लैंड के 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके इस बेजोड़ ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लिश टीम की कमर तोड़ दी और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का भी बना दिया।

इससे पहले,अनुभवी बल्लेबाज जो रूट और लियाम डॉसन के अर्धशतकों और 7वें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की मदद से इंग्लैंड ने भारतीय तेज गेंदबाजों के दिए शुरुआती झटकों से उबरते हुए 258 रन बनाए। इंग्लैंड का स्कोर 13वें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 61 रन था। इसके बाद उसने 22वें ओवर तक 6 विकेट 107 रन पर गंवा दिए और लग रहा था कि मेजबान टीम 150 रन भी नहीं बना सकेगी।

रूट और डॉसन की शानदार साझेदारी

रूट ने हालांकि 76 गेंद में 76 और डॉसन ने 83 गेंद में 68 रन की पारी खेलकर टीम को संकट से निकाला। रूट ने बुमराह के पहले दो स्पैल खत्म होने का इंतजार किया और बाद में अक्षर पटेल की गेंदों की धुनाई की। बुमराह ने 9 ओवर में 31 रन देकर एक विकेट लिया जबकि गुरनूर बरार ने 9 ओवर में 61 रन देकर दो विकेट चटकाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 10 ओवर में 50 रन देकर दो विकेट लिए।

बुमराह ने किया कमाल

इंग्लैंड ने उछाल और सीम लेती पिच पर बल्लेबाजी का फैसला किया। छह सप्ताह के ब्रेक के बाद लौटे बुमराह ने पहले स्पैल में चार ओवर में सिर्फ आठ रन दिए। जैकब बेथेल (31 गेंद में 14 रन) और बेन डकेट (45 गेंद में 43 रन) उनका सामना नहीं कर सके। उन्होंने अपने स्पैल में 36 डॉट गेंद डाली। दूसरे छोर से प्रसिद्ध ने भी बेहतर गेंदबाजी की। वहीं डकेट ने बरार के पहले ओवर में 17 रन निकाले। बरार के अगले ओवर में भी दो चढ़ैके लगे लेकिन तीसरे ओवर में उन्होंने तीन गेंद के भीतर दो विकेट लिए।

अर्जेंटीना-इंग्लैंड में प्रतिद्वंद्विता जुड़ी हैं इतिहास की घटनाओं से

अटलांटा

फीफा विश्वकप फुटबाल के दूसरे सेमीफाइनल में 16 जुलाई को अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबला केवल खेल से ही जुड़ा नहीं है। इसका दोनो देशों के बीच फाकलैंड द्वीप को लेकर हुए युद्ध और 1986 में हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले को लेकर भी एक अलग ही इतिहास है। तब अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना ने विवादित हैंड आफ गाड गोल के जरिये इंग्लैंड को हराया था।

ऐसे में इस बार जब लियोनेल मेसी की अर्जेंटीनाई मैदान पर उतरेगी तो उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से इंग्लैंड पर जीत दर्ज करन रहेगा। वहीं हैरी कैन की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य भी जीत हासिल करना रहेगा। ऐसे में दुनिया भर की नजरें इस पर टिकी रहेंगी।

यहां तक कि टीम के खिलाड़ियों ने जश्न में जो गाना गाया, उसके बोलों ने अनचाहे ही अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच की गहरी ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता को उजागर कर दिया। गीत में 1994 के विश्व कप में डिएगो माराडोना के निष्कासन का बदला लेने और इस्लास माल्विनास का जिक्र था, जो फाकलैंड द्वीप का अर्जेंटीनाई नाम है।

फाकलैंड द्वीप और हैंड आफ गाड गोल को लेकर रहा है विवाद

गौरतलब है कि इन द्वीपों को लेकर 1982 में दोनों देशों के बीच एक भयंकर युद्ध हुआ था, जिसमें 900 से अधिक लोगों की जान गई और हजारों घायल हुए थे। फाकलैंड द्वीप अर्जेंटीना के दक्षिणी तट से लगभग 400 किमी दूर स्थित हैं और वर्तमान में ये ब्रिटिश ओवरसीज टेरिटरी के नियंत्रण में हैं। अर्जेंटीना इन्हें स्पेनिश उपनिवेशों से विरासत में मिला अपना क्षेत्र बताता है, जबकि ब्रिटेन 1833 से इनके प्रशासन का हवाला देते हुए कहता है कि वहां के लोगों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। आज भी फाकलैंड को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद बना हुआ है। फुटबाल के मैदान पर भी इन दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता चरम पर रही है। इसमें फाकलैंड युद्ध की कड़वी यादों से लेकर फुटबाल के मैदान पर भगवान के हाथ तक, अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच की यह प्रतिद्वंद्विता अब फुटबाल के एक और बड़े मुकाबले के रूप में सामने है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी अभी खतरे में नहीं : अभिषेक नायर

मुम्बई । आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार हार से टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठे हैं पर कहा कि उनकी कप्तानी को अभी कोई खतरा नहीं है। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उसे मेजबान इंग्लैंड ने भी 4-0 से हरा दिया। इन हारों के बाद नायर ने कहा कि जब आप किसी को एक चैंपियन टीम की कप्तानी सौंपते हैं, तो आप उसे अपनी टीम चुनने की आजादी भी देना चाहते हैं। नायर ने साफ किया कि इन दो सीरीज के बाद, अय्यर के पास यह सोचने और समझने का समय होगा कि उन्हें इस टीम से क्या चाहिए, उन्हें उनसे कैसे खेलने की जरूरत है और सहयोगी स्टाफ से उनकी क्या अपेक्षाएं हैं। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अय्यर को समर्थन की आवश्यकता है और अगर भारतीय टीम जीत की राह पर लौटना चाहती है तो उन्हें समय देना होगा नायर ने समझाया कि यह वास्तव में एक मुश्किल सीरीज रही है, और जबकि श्रेयस अय्यर पर उंगली उठाई जा सकती है, ज्यादा सही बात यह समझना है कि उन्हें इस टीम से क्या चाहिए।

आईसीसी ने अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए पुनर्गठित किया टास्कफोर्स

आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी

एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी वार्षिक बैठक में अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए चल रहे डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने विशेष टास्कफोर्स का पुनर्गठन करते हुए उसे वर्ष 2030 तक अफगान शरणार्थी महिला टीम को आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

आईसीसी बोर्ड ने अपनी स्वतंत्र निदेशक डा. रोज रिवाज और आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी की सदस्य सारा कीन को भी इस विशेष टास्कफोर्स में शामिल किया है। वे बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की निगरानी करेंगी।

डा. रोज रिवाज ने आईसीसी के हवाले से कहा कि यह पहल अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए सुनियोजित कोचिंग, प्रतिस्पर्धी मैचों और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का मजबूत ढांचा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आईसीसी क्रिकेट के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहा है।

अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटर नाहिदा सपन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट खेलने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि एक टीम के रूप में साथ आने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि आईसीसी के दीर्घकालिक समर्थन से उन्हें अन्य देशों की खिलाड़ियों के समान अवसर मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

खिलाड़ी फिरोजा अफगान ने कहा कि पिछले एक वर्ष में भारत और इंग्लैंड के दौरे उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने-अपने देशों में बेहतर कोचों के साथ प्रशिक्षण और 2030 तक आईसीसी क्वालिफिकेशन में खेलने का लक्ष्य उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

आस्ट्रेलिया की पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और ईट्स गेम आन की सह-संस्थापक मेल जोन्स ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम इन खिलाड़ियों के भविष्य के लिए बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इन महिला क्रिकेटरों ने पिछले एक वर्ष में शानदार प्रगति की है और वे दुनिया भर की महिलाओं और लड़कियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

युवराज ने अभिषेक शर्मा और वैभव की जमकर प्रशंसा करते हुए फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की तुलना

लंदन

दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो जिस प्रकार से निडर होकर खेलते हैं वह मुझे पंसद है। युवराज सिंह ने अपनी और इनकी तुलना हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की है। युवराज ने कहा है कि मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार और वैभव टर्मिनेटर छह है।

गौरतलब है कि अभिषेक उनके शिष्य हैं जिन्हें व समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। वहीं युवराज ने 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का अवसर मिलता है तो उन्हें खुशी होगी। युवराज ने कहा, मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है।

युवराज ने कहा, मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य काफी अच्छा है। वहीं वैभव ने कहा कि युवराज के साथ बातचीत से उन्हें तकनीक को लेकर कई अच्छी जानकारियां मिली हैं। उन्होंने कहा, युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं।

इंग्लैंड टीम जश्न मनाये पर तय सीमा नहीं लांघे : मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने खिलाड़ियों को जश्न के दौरान शराब पार्टी की अनुमति दे दी है पर कहा है कि उन्हें अपनी तय सीमाओं को नहीं लांघना होगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शराब के सेवन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन दिशानिर्देशों में मैच से एक दिन पहले और मैच के दिन और मैच के तुरंत बाद शराब पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं मैकुलम ने टीम की हाला की सफलता और खिलाड़ियों के बीच अपने विश्वास को दिखाते हुए इन नियमों में राहत देने का फैसला किया है। ईसीबी की शराब से जुड़ी गाइडलाइंस में कहा गया है कि मुख्य कोच मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर राब की चाहें तो नियमों में राहत दे सकते हैं। वहीं अपने इस फैसले को लेकर मैकुलम ने कहा, हमारे बहुत से लोग खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ असल में शराब नहीं पीते हैं पर जिसे भी बीयर चाहिए, वह पी सकता है। गाइडलाइंस अभी भी लागू हैं और सभी खिलाड़ियों को इसकी जानकारी भेज दी गई है। यह पालिसी इसलिए बनाई गई है कि लोगों का ध्यान रखा जाए और वे सही फैसले लें। कोच ने अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम को सफलता को सहज भाव ने लेना होगा।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा सभी सामाजिक संगठनों के लिए अनुकरणीय : निर्मला केडिया

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, राहगीरों एवं श्रमिकों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर संचालित यह सेवा अभियान समाज में मानवीय संवेदनाओं, परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बन चुका है। इस अवसर पर श्रीमती निर्मला केडिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ सेवा, समर्पण और प्रेमभाव से निरंतर मानव सेवा के कार्य कर रहा है, वह वास्तव में सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल दान का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी साधना है। जब हम बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य प्रतिदिन

पूरे मनोयोग से सेवा कार्य में जुटे रहते हैं, जो समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाएं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने सेवा को अपना संस्कार बनाया है और यही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी अपने जीवन में सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना को अपनाकर समाज निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने श्रद्धा और समर्पण के साथ अन्नदान सेवा में सहयोग दिया। उपस्थित सदस्यों में सुनीता अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने नियमित रूप से अन्नदान सेवा को और अधिक व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सतत सेवा अभियान समाज में करुणा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है तथा अनेक लोगों को सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है।

देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने मंगलवार को परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ संसदीय समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु उत्पादन का विस्तार, स्वदेशी तकनीक, अनुसंधान, संयंत्रों की क्षमता वृद्धि और सुरक्षा मानकों पर चर्चा हुई। सांसद वमसी कृष्णा ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए परमाणु ऊर्जा अहम है। केंद्र सरकार अनुसंधान और आधुनिक तकनीक को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और उच्चतम सुरक्षा मानकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समिति स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर परमाणु क्षेत्र को मजबूत करने के सुझाव देगी।

लंबित पीआरसी और डीए की मांग को लेकर तपस ने किया कलेक्ट्रेट पर धरना

मंचेरियाल, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीपीयूएस राज्य शाखा के आह्वान पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सामने जिला स्तरीय धरना आयोजित किया गया। राज्य सह-अध्यक्ष बंडी रमेश ने 3 साल से लंबित पीआरसी तुरंत लागू करने और 6 बकाया डीए घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पीआरसी की अवधि 30 जून को खत्म हुए 3 साल हो गए, जिससे हर कर्मचारी को 20-40 हजार रुपये मासिक नुकसान हो रहा है। 51% फिटमेंट के साथ पीआरसी लागू करने, सीपीएस रद्द करने, डीएससी 2003 शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने और जीओ 190 लागू करने की मांग भी उठाई। जिला अध्यक्ष बग्गनी रविकुमार ने बिना सहमति ईएचएस के लिए 1.5% वेतन कटौती की निंदा की। चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो राज्य स्तरीय आंदोलन होगा। धरने के बाद एडिशनल कलेक्टर रामुलु को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर महासचिव भारती अशोक, श्रीनिवास राव, रमादेवी समेत कई शिक्षक और सेवानिवृत्त कर्मचारी मौजूद रहे।

संगठन को मजबूत करना ही राष्ट्र निर्माण का आधार

ओडिशा एवं तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा पदाधिकारियों की मुलाकात

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, ओडिशा के प्रदेश अध्यक्ष श्री गुरिंदर सिंह से भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों की सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान ने बताया कि दोनों राज्यों के अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों के इस मिलन से सभी में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण रहा।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि संगठन को सशक्त बनाने, जनसंपर्क का विस्तार करने तथा अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने को लेकर सार्थक चर्चा हुई।उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इसी भावना के अनुरूप संगठन को और अधिक मजबूत बनाते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया गया।

बैठक में सभी पदाधिकारियों ने एक सशक्त संगठन एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, जनरल सेक्रेटरी हरप्रीत सिंह गुलाटी, मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य तथा अन्य गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिनलैंड में लापता भारतीय छात्र के मामले में विदेश मंत्री को पत्र

बंडारू ने डीएनए जांच और पारदर्शी पहचान प्रक्रिया की उठाई मांग

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को पत्र लिखकर फिनलैंड में 6 मई 2026 से लापता भारतीय छात्र मणिदीप रेड्डी गुज्जा के मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

पत्र में बताया गया है कि मणिदीप रेड्डी गुज्जा, जो फिनलैंड में बी.टेक के छात्र हैं, 6 मई 2026 से लापता हैं। इससे पहले इस मामले में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा भी संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जा चुका है।

बंडारू दत्तात्रेय ने पत्र में उल्लेख किया है कि मणिदीप के माता-पिता मुथ्यम रेड्डी एवं ममता रेड्डी को फिनलैंड के नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अधिकारियों द्वारा ई-मेल के माध्यम से सूचित किया गया कि समुद्र में खोज अभियान के दौरान मिला एक शव लापता भारतीय छात्र का होने की पहचान की गई है। मामले में मृत्यु के कारणों की जांच अभी जारी है।हालांकि, मणिदीप के माता-पिता का मानना है कि समुद्र से बरामद शव उनके पुत्र का नहीं हो सकता। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शव को प्रत्यक्ष रूप से दिखाने का अनुरोध किया है। यदि यह संभव न हो, तो उन्होंने अंतिम निष्कर्ष निकालने से पहले डीएनए परीक्षण कराने की मांग की है, ताकि शव की सही पहचान सुनिश्चित की जा सके।बंडारू दत्तात्रेय ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से आग्रह किया है कि वे फिनलैंड सरकार से इस मामले में संपर्क कर मणिदीप रेड्डी गुज्जा के माता-पिता की मांग पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे सत्यता की पुष्टि हो सके और परिवार को न्याय मिल सके।

एंबुरा गांव में मुरम रोड का निर्माण कराया, झूठी जानकारी न फैलाएं : कांग्रेस

डोंगली, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को प्रेस मीट आयोजित की गई। जिला उपाध्यक्ष यूनुस पटेल ने कहा कि मदनूर राजू नामक व्यक्ति सोशल मीडिया पर एंबुरा गांव में सालों से कीचड़ भरी सड़क होने की झूठी जानकारी फैला रहा है।

सरपंच संघ अध्यक्ष बाचावर लक्ष्मण पटेल ने बताया कि विधायक लक्ष्मी कांतराव के नेतृत्व में एंबुरा में मुरम रोड का निर्माण और कई विकास कार्य कराए गए हैं।

नेताओं ने चेतावनी दी कि जनता में भ्रामक जानकारी न फैलाई जाए। इस मौके पर सरपंच हाले बसवंत संग्राम पटेल, दत्तु श्रीधर, श्रीकांत नायक, धनंजय पटेल, दीनदयाल प्रवीण पटेल और विलास इब्राहिम मौजूद रहे।

सिख विलेज एक्स रोड पर अमावस्या के पावन अवसर पर अमावस्या अन्नप्रसादम ग्रुप द्वारा 10वें अन्नप्रसाद वितरण सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस सेवा कार्य में दिनेशजी कटारिया, अजयजी कटारिया, दिलीपजी, कविशजी लोढ़ा, संजयजी कांटेड, महावीरजी तातेड़ (कोरा), अनवर, शेरूजी तातेड़, ज्ञानदीपजी सिंघवी, प्रवीणजी, सौरवजी लोढ़ा, अशोक, श्रवण, रमेश तथा अन्य सदस्यों ने सेवाभाव से सहभागिता निभाई।

खेलो बीकानेर यूथ गेम्स 3.0 का भव्य शुभारंभ, 3000 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

बीकानेर, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नंदलाल जोशी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में पुष्करणा स्टेडियम में खेलो बीकानेर यूथ गेम्स 3.0 का रंगारंग आगाज हुआ।

लोटस खेलेगा बीकानेर, बढ़ेगा बीकानेर थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 18 खेलों में करीब 3000 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अगले पांच दिन तक मुकाबले चलेंगे।

उद्घाटन समारोह में पैरा तीरंदाज और अर्जुन अवॉर्डी

शीतल देवी मुख्य आकर्षण रहीं। जन्म से दोनों हाथ न होने के बावजूद पैरों से तीरंदाजी कर देश का नाम रोशन करने वाली शीतल की कहानी ने युवाओं को प्रेरित किया।

लोटस डेयरी के एमडी अविनाश मोदी, देवकिशन चांडक, डीपी पच्चीसीया, पैरालंपियन श्यामसुंदर स्वामी समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। फाउंडेशन निदेशक अनिल जोशी ने कहा कि यह आयोजन बीकानेर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का अभियान है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप...

दोनों देशों के बीच हमले और जवाबी कार्रवाई जारी हैं। ऐसे माहौल में ट्रंप द्वारा कार्गो शुल्क का प्रस्ताव वापस लेकर उसकी जगह व्यापार और निवेश समझौतों पर जोर देना उनकी रणनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि ईरानी जहाजों पर प्रतिबंध जारी रहेगा और अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित नहीं करने देगा।

सऊदी-हूती...

इसके लिए हूतियों ने सीधे सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया। जवाब में हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल हमलों की धमकी दी और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य बंद करने की चेतावनी दी। इससे 2022 से चली आ रही अनौपचारिक युद्धविराम व्यवस्था लगभग टूट सी गई। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में ईरान-अमेरिका तनाव, लाल सागर में जहाजों पर हूती हमले और सऊदी अरब की सुरक्षा चिंताएं भी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह टकराव यमन के गृहयुद्ध से आगे बढ़कर ईरान और उसके विरोधी देशों के बीच क्षेत्रीय शक्ति संघर्ष का नया चरण बन गया है।

असल में ये तनाव पिछले 10 दिनों से बढ़ रहा है। इस महीने की शुरुआत में ईरान का एक विमान खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए हूती प्रतिनिधिमंडल को ले जाने के लिए सना पहुंचा था। शायद एक दशक में यह पहली बार था जब ईरान का कोई विमान सना में उतरा। हूतियों का दावा है कि सऊदी लड़ाकू विमानों ने उस विमान को उतरने से रोकने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

पाकिस्तान और दोस्ती का वादा?

सऊदी अरब और हूती लड़ाकों की लड़ाई ने पुराने प्रश्न को फिर से जिंदा कर दिया है कि क्या पाकिस्तान अपना वादा निभाएगा। इस साल की शुरुआत में ईरान द्वारा सऊदी अरब के एनर्जी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच इस समझौते को लेकर कई बैठकें हुई हैं। सऊदी की लड़ाई में दखल देने के नाम पर पाकिस्तान के पांव फूलने लगते हैं। ऐसे मौके पर पाकिस्तान अफ़गानिस्तान के साथ अपने ही इलाके में संघर्ष शुरू करके खुद को इस युद्ध में घसीटने से बचा लेता है। नवंबर 2025 से अफ़गानिस्तान के साथ पाकिस्तान का युद्धविराम लागू था। फिर भी 28 फरवरी को ईरान के साथ टकराव शुरू होते ही पाकिस्तान ने काबुल में हवाई हमले कर दिए। हालांकि पाकिस्तान के पास अचानक अफ़ग़ानिस्तान पर हमला करने की कोई ठोस वजह नहीं थी। लेकिन अफ़ग़ानिस्तान के साथ इस टकराव ने पाकिस्तान को सऊदी रक्षा समझौते की शर्तों से बचने का मौका दे दिया। पाकिस्तान सऊदी को कह सकता था कि वो खुद आंतरिक अशांति में व्यस्त है।

लेकिन अब मसला हूतियों का है। पाकिस्तान ने कभी भी आधिकारिक तौर पर यमन में हूतियों से लड़ाई नहीं की है और न ही उनके ख़िलाफ़ लड़ाकू फ़ौज तैनात की है। 1970 के दशक से पाकिस्तान ने समय-समय पर 8,000 से ज़्यादा सऊदी सैनिकों को ट्रेनिंग दी है। 1960 के दशक में यमन में मिस्र के युद्ध को लेकर बढ़े तनाव के दौरान भी पाकिस्तानी सैनिक सऊदी अरब गए थे। असल में 2015 में पाकिस्तान और सऊदी अरब के रिश्ते तब खराब हो गए थे जब इस्लामाबाद ने यमन में गृहयुद्ध के दौरान सऊदी के नेतृत्व वाले दखल के लिए सैनिक भेजने से इनकार कर दिया था।

आठ हजार सैनिक पहले से सऊदी में तैनात

पाकिस्तान एक बार फिर मुश्किल स्थिति में फंस गया है। इस बार उसे कई मोर्चों पर अशांति का सामना करना पड़ रहा है। बलूच विद्रोहियों के हमले, पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर में विरोध-प्रदर्शन और अफगानिस्तान सीमा पर तनाव से पाकिस्तान तनाव में है। इस वक्त सऊदी अरब में लगभग 8,000 पाकिस्तानी सैनिक, 16 लड़ाकू विमान और चीन का एयर डिफेंस सिस्टम तैनात हैं। ये तैनाती मई में की गई थी जब मध्य पूर्व में तनाव कम हो गया था।

फिलहाल सऊदी-हूती विद्रोहियों के बीच हालात अस्थिर बने हुए हैं। सऊदी अरब और हूतियों के बीच हमलों का सिर्फ़ एक दौर हुआ है। अगर हूती सऊदी अरब पर हमले और बढ़ाते हैं, तो पाकिस्तान पर रियाद के साथ अपने कमिटमेंट को पूरा करने का दबाव तुरंत बढ़ेगा।

मिलेगी...

दिल्ली जाने से पहले डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि राजनीति में इस तरह की अटकलें और चर्चाएं चलती रहती हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दिल्ली दौरा विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी और संगठनात्मक कार्यों के लिए होता है और इसे मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। राज्य मंत्री पद को लेकर शिवसेना में क्षेत्रीय और संगठनात्मक संतुलन पर भी विचार किया जा रहा है। पार्टी के भीतर इस बात पर मंथन जारी है कि यह जिम्मेदारी विदर्भ के किसी सांसद को दी जाए या मराठवाड़ा को प्रतिनिधित्व मिले।

17 जुलाई को एनडीए की बैठक

संसद के मॉनसून सत्र से पहले 17 जुलाई को दिल्ली में एनडीए की बैठक है। शिवसेना नेता ने बताया कि 15 जुलाई को मुंबई लौटने के बाद 17 जुलाई को फिर से दिल्ली जाएंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच सोमवार देर रात मुंबई में बीजेपी प्रदेश कोर कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, चंद्रकांत पाटील, सांसद अशोक चव्हाण सहित अन्य लोग मौजूद थे। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक बैठक में राज्य में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की गई। साथ ही शरद पवार के एनडीए में शामिल होने, दोनों एनसीपी के विलय और ऑपरेशन टाइगर के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य पर मंथन किया गया।

अभिषेक बनर्जी ने ...

सूत्रों के अनुसार, एनसीपीआई जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय को संसदीय मान्यता देने के लिए औपचारिक पत्र सौंप सकती है। पार्टी के नेता 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक में भी शामिल हो सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष के साथ हुई यह मुलाकात इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि टीएमसी ने पार्टी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करते हुए याचिकाएं दाखिल की हैं।

अभिषेक बनर्जी का पलटवार: 10वीं अनुसूची के तहत दायर कीं 20 याचिकाएं

लोकसभा में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने ओम बिरला से मुलाकात कर 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी हैं। इन याचिकाओं में संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत बागी सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की गई है। अभिषेक बनर्जी ने दलील दी है कि इन सांसदों ने दूसरी पार्टी में शामिल होकर स्वेच्छा से टीएमसी की सदस्यता छोड़ दी है। इसलिए वे अयोग्य घोषित किए जाने के योग्य हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से यह भी आग्रह किया है कि खुद को टीएमसी से अलग गुट बताने वाले किसी भी समूह को कोई मान्यता, दर्जा या सुविधा न दी जाए। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को सांसदों और लोकसभा अध्यक्ष के बीच हुई बैठक में सदस्यता रद्द करने वाली याचिकाओं का मुद्दा नहीं उठाया गया।

एचएमडीए...

छापेमारी के दौरान एसीबी को मुख्य अभियंता के पास से भारी मात्रा में अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:

कोंडापुर में जी+4 इमारत: मस्जिद बांदा में 300 वर्ग गज में बनी एक 5 मंजिला (जी+4) इमारत, जिसकी सरकारी कीमत 3 करोड़ रुपये आंकी गई है।

मोकिला में आलीशान विला: श्रीवारी मीडोज में 300 वर्ग गज का एक अर्ध-निर्मित विला, जिसकी कीमत 1.33 करोड़ रुपये है।

चार फ्लैट और पांच प्लॉट: नरसिंगी और नानकरामगुडा में 2.07 करोड़ रुपये के 4 आवासीय फ्लैट, तथा कोंडाकल, किस्तापुर और पसामला में 38.89 लाख रुपये के 5 ओपन प्लॉट।

कृषि भूमि: शमशाबाद और कोथूर मंडल के गुदुर गांव में 6 लाख रुपये की 4 एकड़ कृषि भूमि।

1.44 किलो सोना, किलो के भाव चांदी और लग्जरी गाड़ियां।

अचल संपत्तियों के अलावा जांच दल को करोड़ों रुपये की चल संपत्ति भी हाथ लगी है। बरामद की गई वस्तुओं में शामिल हैं।

सोना-चांदी और कैश: 36.70 लाख रुपये मूल्य के 1,440 ग्राम (1.44 किलो) सोने के आभूषण, 10 लाख रुपये मूल्य की 12.5 किलोग्राम चांदी, 3.82 लाख रुपये नकद और विभिन्न बैंक खातों में करीब 45.05 लाख रुपये का बैलेंस।

चार लग्जरी वाहन: 1.16 करोड़ रुपये की चार गाड़ियां बरामद की गईं, जिनमें इनोवा हाईक्रॉस , टाटा सफारी , इनोवा क्रिस्टा और महिंद्रा एक्सयूवी (शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स: 9.32 लाख रुपये के गैजेट्स, जिनमें 7 सैमसंग मोबाइल, 2 स्मार्टवॉच, 1 आईपैड, 2 टैबलेट और 5 हार्ड डिस्क शामिल हैं। इसके अलावा 17.24 लाख रुपये का घरेलू सामान मिला है।

एसीबी के अनुसार, बरामद डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है ताकि अन्य बेनामी संपत्तियों का पता लगाया जा सके। आरोपी मुख्य अभियंता बी. रविंद्र को न्यायिक रिमांड के लिए हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की आगे की तफ्तीश जारी है।

पोता ...

दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही आय-व्यय का मिलान कर संबंधित अभिलेख सुरक्षित रखे जा रहे हैं, ताकि किसी भी स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट का उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। इसी कारण अकाउंट सिस्टम में कई प्रक्रियाओं को नए सिरे से लागू किया जा रहा है। चंदन राय और जगदीश आफले इस व्यवस्था के संचालन में डॉ. कृष्ण मोहन के साथ समन्वय कर रहे हैं। ट्रस्ट से जुड़े लोगों का मानना है कि दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू होने से वित्तीय अनुशासन और निगरानी पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगी तथा प्रत्येक लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा।

मात्र 3 करोड़ ...

इस्तीफा देने के लिए उन पर किसी ने दबाव नहीं डाला। उन्होंने आगे कहा, मैं सीट की जांच से संतुष्ट हूं। मैं किसी पर कोई दबाव नहीं डाल रहा हूं। हम किसी भी तरह से जांच को प्रभावित करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और हम ऐसा क्यों करेंगे? यह अपराध भगवान राम के खिलाफ किया गया है।

आरोपी लवकुश का मकान होगा सील

इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। एडीए ने इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी, लेकिन लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा ने कोई जवाब नहीं दिया। अब प्राधिकरण ने 15 जुलाई तक का अंतिम अवसर दिया है। एडीए ने चेतावनी दी है कि अगर जवाब नहीं मिला तो निर्माणाधीन मकान को सील कर दिया जाएगा।

पुलिस ने आरोपी रामशंकर मिश्रा और रिटायर्ड बैंक कर्मी सुभाष श्रीवास्तव को 14 घंटे के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस ने कोर्ट से 7 दिन की रिमांड मांगी थी। बुधवार सुबह दोनों आरोपियों को जेल से बाहर लाकर पूछताछ की जाएगी। चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस मंगलवार को कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस दोनों की 7 दिन की रिमांड मांग सकती है। रिमांड मिलने पर दोनों से पूछताछ की जाएगी। इससे पहले, पुलिस आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है।

ट्रस्ट की वेबसाइट से हटे चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र के नाम

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की वीआईपी पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास के नाम पर नई वीआईपी पास आईडी जारी की गई है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इन दिनों यूपी में गोयात्रा पर हैं। वे लगातार राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर बोल रहे हैं। मंगलवार को एक सवाल के जवाब में राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि ने कहा, वह (अविमुक्तेश्वरानंद) न ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य हैं, और न वह इस प्रकार की भाषा करने के अधिकारी हैं। राम मंदिर के निर्माण से लेकर आज तक उन्होंने इसी प्रकार से राम मंदिर का विरोध ही किया है। राम मंदिर के पक्ष में वह कभी भी नहीं बोले हैं। और वे नरेंद्र मोदी जी के, हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी के, इतने घोर विरोधी हैं। जब मोदी जी काशी में पहली बार खड़े हुए, तो यह लोग वहां पर जाकर गली-गली में घूमकर मोदी जी के विरोध में प्रचार कर रहे थे।

अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर: दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- दिल में बाबर, मुंह में राम।मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 15 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री आईजी गौशाला में गौसेवा एवं भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के पावन अवसर पर गौसेवा, भजन-कीर्तन एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में गौभक्तों ने गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत श्री आई माताजी भजन मंडली द्वारा भक्तिमय भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। इसी अवसर पर द्वितीय 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, डायाराम लचेटा, भंवरलाल मुलेवा, भगाराम मुलेवा, पारसमल शर्मा, मोतीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, कालूराम काग (चिंतल), माधुराम चोयल, गोपाराम, ओंकारलाल हाम्बड़, मांगीलाल परिहारिया, भंवरलाल बर्फा, भाग्यनगर तेलंगाना गिरवी एवं पान ब्रोकर एसोसिएशन के अध्यक्ष मदनलाल रावल, शंकरलाल बर्फा, किशनलाल पंवार, हापुराम गेहलोत सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।

महाप्रसादी के लाभार्थी हापुराम गेहलोत (सुपुत्र धनाराम गेहलोत, नेरडमेट) एवं दीपाराम गेहलोत (धनलक्ष्मी ज्वैलर्स, नेरडमेट) रहे, जिनके सौजन्य से महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

गौमाताओं के लिए हरी घास की व्यवस्था सीतादेवी गेहलोत (नेरडमेट), जगदीश (चिलकलगुड़ा), हरिओम इमिटेशन (सिकंदराबाद) तथा श्री आईजी गौशाला के कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार के सहयोग से की गई।

कार्यक्रम में ध्वनि व्यवस्था राठौड़ साउंड के भगवानराम राठौड़ एवं बबलू द्वारा उपलब्ध कराई गई। अंत में समस्त गौभक्तों ने गौसेवा कर गौसंरक्षण एवं गौसेवा के प्रति अपनी आस्था एवं समर्पण व्यक्त किया।

जैन सेवाश्रम में भावसार विजन इंडिया ने बिखेरे मनोरंजन के रंग

बुजुर्गों के साथ खेल, सम्मान एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से सजा आयोजन

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन सेवा संघ महिला विभाग द्वारा संचालित जैन सेवाश्रम, जो कारवान दादावाड़ी परिसर में स्थित है, में सोमवार को भावसार विजन इंडिया के सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों के लिए मनोरंजक खेल, सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे सेवाश्रम का वातावरण उल्लासपूर्ण बन गया।

महिला विभाग की मंत्रिणी सविता राय सोनी ने शब्दकुसुमों के माध्यम से अतिथि मंडल का स्वागत किया। इसके पश्चात परमामर्शदाता अरुणा शाह, सविता राय सोनी, हंसा सावड़िया तथा जैनरत्न मीना मुथा ने संयुक्त रूप से नवकार मंत्र की प्रस्तुति दी।

भावसार विजन इंडिया की ओर से प्रमुख अश्विनी पतंगे ने कहा कि जैन सेवाश्रम में आकर उन्हें सुकून एवं शांति की अनुभूति हुई। उन्होंने बताया कि दादावाड़ी मंदिर में दर्शन-वंदन करने के साथ-साथ निसर्गटम परिसर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर सेवाश्रम की संयोजिका मीना मुथा ने सेवाश्रम की गतिविधियों एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी।

भावसार विजन इंडिया की टीम ने सेवाश्रम के बुजुर्गों के साथ विभिन्न मनोरंजक खेल आयोजित किए। प्रतियोगिताओं में राधाबाई एवं अरुणाबाई विजेता रहीं। इसके अलावा महावीर बेताला, पंकज श्रीमाल तथा संतोषबेन छाजेड़ को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री जैन सेवा संघ महिला विभाग के पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया।

अंत में सविता राय सोनी ने महिला विभाग की ओर से सभी अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भावसार विजन इंडिया की ओर से सभी उपस्थितजनों के लिए स्नैक्स का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर अश्विनी पतंगे (अध्यक्ष), तुलसी बगाड़े, सुलभा मेहंदरकर, अर्चना सुत्रावे, हेमारानी परणकर सहित भावसार विजन इंडिया के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या पर हुई गौसेवा

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल स्थित विश्व मंगल गौशाला में आषाढ़ मास की हलहारिणी अमावस्या के पावन अवसर पर गौसेवा, भजन-कीर्तन एवं महाप्रसादी का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौभक्तों ने तन, मन और धन से गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

भोजन प्रसादी के लाभार्थियों में गोविंद, दीपाराम सीरवी, मीठालाल प्रजापत, नारायणलाल सीरवी, रमेश-दिनेश प्रजापत, देवाराम सीरवी, राजूभाई, अमरराम सीरवी, दलाराम सीरवी, चंपालाल सीरवी, मोहनलाल, महेंद्र-सुनील कुमावत, लाबूराम देवासी, जामताराम चौधरी, विकास कुमावत, संदीपभाई, मंगलाराम कुमावत, अमरराम सीरवी, मोहनलाल कुमावत, पेमाराम, मदनलाल चौधरी, बुधाराम कुमावत एवं प्रकाश सीरवी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहयोग प्रदान किया।

गौमाताओं के लिए हरी घास की व्यवस्था राजूराम प्रजापत (आसाराम ज्वेलर्स, मेडचल) द्वारा की गई। वहीं भजन महिला मित्र मंडली, कोम्पल्ली-मेडचल ने भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में देवाराम सीरवी (मूलगू), हनुमंत धनवा (भाजपा युवा नेता), गोगाराम सीरवी, महिपाल सीरवी, शेषाराम, सोहनलाल, बाबूलाल नायक, रतनाराम देवासी, केसाराम सीरवी, लक्ष्मण, महेंद्र सिंह पितावत, चुन्नीलाल सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर विश्व मंगल गौशाला के अध्यक्ष टी.वी. सुरेश एवं सचिव धर्माराम सुथार ने सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं गौभक्तों का आभार व्यक्त करते हुए गौसेवा के इस पुनीत कार्य में निरंतर सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।

हिमायत सागर स्थित श्री दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा करते हुए मंदिर के लाला शुक्ला महाराज, विनीत महाराज, श्री राम सेवा समिति के पुरषोतम अग्रवाल, पंकज वर्मा एवं अन्य भक्त।

अमावस्या पर अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा ने कराया अन्नप्रसाद वितरण

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा डरा अमावस्या के पावन अवसर पर अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, महिला समिति की सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने सेवाभाव के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर शाखा के उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोशनलाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक रितेश झुनझुनवाला, महिला समिति की प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल, संयोजिका सीमा अग्रवाल, ज्योति गुप्ता तथा प्रभावती अग्रवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 550 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण कर सेवा का लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीमा-योगेश अग्रवाल, दीपा-अनिल गर्ग, सोनल-प्रतीक अग्रवाल, छाया-अजय गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, सरला-विजय जिंदल, गिरधारीलाल अग्रवाल, अनीता-प्रदीप अग्रवाल, बाला-रोशनलाल मित्तल, सीमा-शैलेश अग्रवाल, श्रीनाथ अग्रवाल तथा मीना-विजय कुच्छल का विशेष सहयोग रहा।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक में कार्यों की समीक्षा, नई योजनाओं पर चर्चा

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की संचालन समिति की बैठक मंगलवार को संयोजक डी.डी. तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि सभी समितियों के कार्यों की समीक्षा कर आगे की कार्य योजना बनाई गई।

अनुशासन समिति के संयोजक पी.पी. पांडेय ने बताया कि राजेश चौबे पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर एक साल के लिए निष्कासित किया गया है। सांस्कृतिक समिति सावन में कजरी कार्यक्रम और जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजित करेगी। चिकित्सा समिति के संयोजक सीताराम ठाकुर ने निम्स अस्पताल में इमरजेंसी सीट और निजी अस्पतालों में गरीबों को छूट दिलाने का सुझाव दिया।

बैठक में छठ पूजा, स्पोर्ट्स, शिक्षा और समस्या निवारण समिति की योजनाओं पर चर्चा हुई। हर राज्य के लिए संयोजक-सहसंयोजक मनोनीत किए गए। बिहार से वी.डी. चौबे, यूपी से गोविंद तिवारी, राजस्थान से मदन लाल रावल समेत 11 राज्यों के प्रतिनिधि तय हुए।

बैठक में राधे श्याम राय यादव, मोहम्मद मुनव्वर, बिनीत सिंह, के.डी. चौबे, एल.एम. चौधरी, संजय कुमार भगत सहित कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

पांच दिवसीय शिवपुराण कथा कल से

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

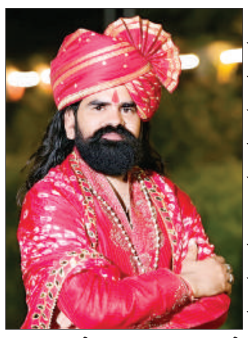

जीडी मेटला, सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर में 16 जुलाई से पांच दिवसीय शिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है।

आयोजकों के अनुसार, कथा का वाचन प्रख्यात कथावाचक पं. संजय कृष्ण शास्त्रीजी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को प्रातः 8:00 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।

कलश यात्रा शिवालय मंदिर, सुराराम मार्केट (एम.बी. गवर्नमेंट स्कूल के निकट) से प्रारंभ होकर मां दधिमाता मंदिर तक पहुंचेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिलाएं मंगल कलश के साथ शोभायात्रा में भाग लेंगी।

इस धार्मिक आयोजन का संचालन एवं व्यवस्था समस्त महिला मंडल के तत्वावधान में की जाएगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित उपस्थित होकर शिवपुराण कथा का श्रवण करने एवं धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच और बीआरकेआर आयुर्वेद कॉलेज में समझौता

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद और डॉ. बी.आर.के.आर. सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, एर्रागड्डा ने मंगलवार को आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय महत्व की पादप-विविधता की सूची तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगात्मक परियोजना के तहत पादप-विविधता का अध्ययन, औषधीय पौधों का फोटो-प्रलेखन, हर्बेरियम तैयार करना, क्यूआर कोड वाले नाम बोर्ड लगाना और एक सचित्र सूची तैयार की जाएगी। समझौते पर एनआईआईएमएच के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद और आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जौहर पी.के. ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रो. जी. स्वरूपा रानी, डॉ. वी. नरसिम्हा, डॉ. पेन्चाला प्रताप, डॉ. वी. श्रीदेवी, डॉ. अशफाक अहमद और डॉ. बिस्व रंजन दास समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

आषाढ़ अमावस्या के पावन अवसर पर इमलीबन गोशाला में गौसेवा करते हुए गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह और तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल।

माथुर वैश्व इंटरनेशनल क्लब द्वारा सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा सपना गुप्ता, प्राची, रचना, ज्योति, रुचि कमलेश, रितु, तनूजा, सरिता, भावना व अन्य उपस्थित थे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेवंत ने गडकरी से रिंग रोड और फ्यूचर सिटी-पोर्ट राजमार्ग परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से राज्य में प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया है। इनमें क्षेत्रीय रिंग रोड, प्रस्तावित फ्यूचर सिटी-बंदर पोर्ट हरित क्षेत्र राजमार्ग और राजीव राजमार्ग का एक वैकल्पिक मार्ग शामिल है।

यहां श्री गडकरी के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय रिंग रोड के उत्तरी हिस्से पर काम शुरू करने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी हासिल करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस हिस्से के लिए लगभग 95 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का काम पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने दक्षिणी हिस्से के लिए भी जल्द मंजूरी मांगी और कहा कि दोनों हिस्सों का एक साथ निर्माण करने से समय और लागत में कमी आएगी। श्री रेड्डी ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत परिकल्पित, हैदराबाद के भारत फ्यूचर सिटी को अमरावती के रास्ते बंदर पोर्ट से जोड़ने वाले प्रस्तावित 12 लेन के हरित क्षेत्र राजमार्ग को तुरंत मंजूरी देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच की यात्रा दूरी लगभग 100 किलोमीटर कम हो जाएगी और हैदराबाद तथा बंदर पोर्ट के बीच माल ढुलाई में काफी सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित मन्नानूर-श्रीशैलम ऊंचे मार्ग के लिए वन विभाग की मंजूरी प्राप्त करने में केंद्र सरकार से सहायता मांगी। उन्होंने ध्यान दिलाया कि यह मार्ग नल्लामाला अभयारण्य से होकर गुजरता है और श्रीशैलम मंदिर तथा जलाशय को जोड़ता है। उन्होंने वर्तमान राजीव राजमार्ग पर यातायात के दबाव को कम करने के लिए मंचेरियल और हैदराबाद के बीच एक छह लेन के वैकल्पिक राजमार्ग को मंजूरी देने का भी अनुरोध किया।

श्री रेड्डी ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार इसके लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस नए मार्ग से क्षेत्र में कृषि और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान नलगोंडा के सांसद रघुवीर रेड्डी, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सरकारी सलाहकार और पदेन विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, विशेष सचिव (समन्वय) अद्वैत कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

जहरीले खरपतवार नाशक पैराक्वाट पर देशव्यापी प्रतिबंध तुरंत लागू

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए कृषि रसायन पैराक्वाट डाइक्लोराइड के उत्पादन, आयात, बिक्री और उपयोग पर तत्काल प्रभाव से देशव्यापी प्रतिबंध लगा दिया है। यह वही खतरनाक खरपतवार नाशक है जिस पर तेलंगाना सरकार ने पहले तीन महीने का अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। चूंकि राज्यों को कृषि रसायनों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है, इसलिए तेलंगाना विधानसभा ने केंद्र से इसे प्रतिबंधित करने का सर्वसम्मत अनुरोध किया था। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 13 जुलाई को गजट अधिसूचना जारी कर इस फैसले की घोषणा की।

इस घातक रसायन के कारण पिछले कुछ वर्षों में अकेले तेलंगाना में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से अधिकांश मामले आत्महत्या के थे। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पैराक्वाट पॉइजनिंग (जहर) का कोई विशिष्ट एंटीडोट (काट) उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत काम करने वाली पंजीकरण समिति की सिफारिशों के बाद केंद्र ने यह सख्त कदम उठाया है।पंजीकरण समिति ने पाया कि यह खतरनाक खरपतवार नाशक दुनिया के 70 से अधिक देशों में पहले से ही बैन है। इसके लगातार इस्तेमाल से मानव और पशु जीवन को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। स्वास्थ्य पर इसके विपरीत प्रभावों और उच्च मृत्यु दर को देखते हुए, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए केंद्र ने इसे तुरंत प्रतिबंधित करना आवश्यक समझा।मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस फैसले के विरोध में यदि किसी को कोई आपत्ति दर्ज करानी है, तो उसके लिए 30 दिनों का समय दिया गया है। इस निर्धारित अवधि के बाद इस कृषि रसायन पर पूर्ण और अंतिम प्रतिबंध की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। फिलहाल, देश में इसके निर्माण, परिवहन और वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

नगर पालिका अभियंता रिश्वत मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को पेड्डापल्ली नगर पालिका के एक सहायक अभियंता को ठेकेदार का बिल पास करने और उसे आगे भेजने के लिए कथित तौर पर दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।एसीबी के बयान के मुताबिक पेद्दापल्ली ज़िले के नगर पालिका कार्यालय में सहायक अभियंता कल्लेपल्ली सतीश कुमार (33) को ब्यूरो की करीमनगर शाखा ने उनके घर पर पकड़ा। उन्होंने कथित तौर पर एक ठेकेदार से दो लाख रुपये की मांग की थी और उसे स्वीकार किया था। यह रिश्वत कथित तौर पर पैकेज-नौ के तहत पेड्डापल्ली शहर में तेनुगुवाड़ा में हिंदू कब्रिस्तान और कुनाराम रोड पर स्थित कब्रिस्तान के विकास से जुड़े अंतिम बिल को पास करने और आगे भेजने के लिए मांगी गयी थी। ठेकेदार ने 12,28,748 रुपये का काम किया था और बिल को मंज़ूरी के लिए तेलंगाना शहरी वित्त और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (टीयूएफआईडीसी), हैदराबाद भेजा जाना था। ब्यूरो ने आरोपी के पास से रिश्वत के दो लाख रुपये बरामद किये। बाद में उनके घर की तलाशी के दौरान अधिकारियों ने 32,31,900 रुपये का बेहिसाब नकद भी ज़ब्त किया। एसीबी ने कहा कि आरोपी ने अनुचित लाभ पाने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था। उन्हें गिरफ़्तार किया गया और करीमनगर में भ्रष्टाचार मामलों के विशेष न्यायाधीश के सामने पेश किया गया। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा अन्नप्रसाद वितरण

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में जुलाई माह की अमावस्या के पावन अवसर पर अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग 400 स्थानीय निवासियों को श्रद्धापूर्वक अन्नप्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंदलाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि परिवार द्वारा पिछले 36 माह से लगातार गोल्डन टेंपल में अन्नप्रसाद वितरण की सेवा निरंतर की जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ हरे कृष्ण मंत्र के उच्चारण एवं अन्नप्रसाद की प्रार्थना के साथ किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों को अन्नप्रसाद वितरित किया गया। आज के अन्नप्रसाद में चावल, सब्जी, सांभर, चटनी, बटरमिल्क, मैसूर पाक एवं कलाकंद परोसा गया। इस सेवा कार्य में परिवार के सदस्य मुकुंदलाल अग्रवाल, ईश्वरलाल अग्रवाल, आकांशु, श्रीमती संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सेवाभाव के साथ सक्रिय सहभागिता निभाई।

हैदराबाद में होने वाली ब्रिक्स भ्रष्टाचार निरोधक कार्य समूह की बैठक की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने मंगलवार को चार और पांच अगस्त को हैदराबाद में होने वाली दूसरे ब्रिक्स भ्रष्टाचार निरोधक कार्य समूह की बैठक की तैयारियों की समीक्षा की और सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य सचिव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जायें, ताकि वैश्विक आयोजनों के लिए हैदराबाद की प्रतिष्ठा और मजबूत हो। दो दिवसीय बैठक में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के लगभग 40 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि तथा केंद्र सरकार के करीब 40 वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के संयुक्त सचिव सुशील कुमार पटेल ने बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आपात चिकित्सा सेवाएं, परिवहन, प्रोटोकॉल, आवास, आयोजन स्थल प्रबंधन तथा अन्य व्यवस्थाओं में राज्य सरकार से सहयोग का अनुरोध किया।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था, सुचारु यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, निर्बाध नागरिक सेवाएं तथा सभी विभागों और एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से केंद्र सरकार के साथ मिलकर निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने को कहा। मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार बैठक में भाग लेने वाले सभी प्रतिनिधियों की सुरक्षा, सुविधा और आवास संबंधी व्यवस्थाओं के लिए केंद्र सरकार को पूरा सहयोग देगी।

सरकार कालेश्वरम परियोजना पर एनडीएसए की रिपोर्ट के बाद ही निर्णय लेगी: पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर सभी निर्णय पूरी तरह से राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर ही लेगी।

श्री प्रभाकर ने यहां विधायक निवास (एमएलए क्वार्टर) में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने से पहले ही कालेश्वरम परियोजना में ढांचागत खामियां आ चुकी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना की वर्तमान स्थिति के लिए बीआरएस जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछली सरकार की साजिशों को उजागर करने के लिए राज्य भर के गांवों का दौरा करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार एनडीएसए की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और यदि विशेषज्ञ सिफारिश करते हैं, तो जलाशय को तुरंत भर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम इंजीनियर नहीं हैं। हम तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार काम करेंगे। यदि वे परियोजना को चालू करने के उपाय सुझाते हैं, तो हम उन्हें बिना किसी देरी के लागू करेंगे। किसानों और जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

उन्होंने सवाल किया कि यदि विशेषज्ञों की मंजूरी के बिना जलाशय को भरने के बाद कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार से इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के बजाय एनडीएसए की अंतिम रिपोर्ट जल्द जारी कराने का दबाव बनाने का आग्रह किया।मौसम के पूर्वानुमानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों और मौसम विभाग ने अल नीनो प्रभाव के कारण संभावित कम बारिश की चेतावनी दी है। सरकार संभावित सूखे से निपटने में मदद करने के लिए किसानों को परामर्श जारी कर रही है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना सरकार किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।श्री प्रभाकर ने तेलंगाना के हितों के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग की भी अपील की। उन्होंने विपक्षी दलों से मेदिगड्डा, कन्नेपल्ली और कालेश्वरम जैसे मुद्दों पर निराधार आरोप लगाने के बजाय रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया।

सिकंदराबाद में भव्य जगन्नाथ रथयात्रा कल

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में इस वर्ष की रथयात्रा आगामी गुरुवार, 16 जुलाई को आयोजित की जाएगी। श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट द्वारा पुरी की प्रसिद्ध रथयात्रा के साथ ही हर साल भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा की इस भव्य यात्रा का आयोजन किया जाता है। पिछले 130 वर्षों से यह परंपरा बिना किसी व्यवधान के लगातार निभाई जा रही है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, उत्सव के दिन श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के कपाट सुबह 6:45 बजे खोल दिए जाएंगे और दोपहर 1:00 बजे बंद होंगे।

रथयात्रा का निर्धारित कार्यक्रम व मार्ग: शाम 4:00 बजे: मंदिर से रथयात्रा के जुलूस का प्रस्थान। जनरल बाजार से होते हुए यह आगे बढ़ेगी। शाम 6:30 से रात 11:00 बजे: रथयात्रा एम.जी. रोड (च.ऋ ठेरव) पर रहेगी, जहां भारी संख्या में भक्तों के जुटने की उम्मीद है।

तड़के 4:00 बजे (अगले दिन): इसके बाद यात्रा हिल स्ट्रीट और रानीगंज से गुजरते हुए अगले दिन सुबह लगभग 4:00 बजे वापस मंदिर पहुंचेगी। ट्रस्ट ने स्थानीय श्रद्धालुओं से इस भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

वियतनाम नौका हादसे में मारे गए आंध्र प्रदेश के पर्यटकों के शव हैदराबाद पहुंचे

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वियतनाम में नौका दुर्घटना में जान गंवाने वाले आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों के शव मंगलवार सुबह शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल पहुंचे, जहां से उन्हें राज्य सरकार की व्यवस्था के तहत उनके पैतृक स्थानों के लिए रवाना किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में कडप्पा जिले के श्रीधर, मछलीपट्टनम की जयश्री और हिंदूपुर के रवि तेजा शामिल हैं। शवों को भारत लाने की कानूनी औपचारिकताएं मुंबई में पूरी किए जाने के बाद सुबह करीब साढ़े सात बजे हैदराबाद लाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और मंत्री एन. लोकेश ने पार्थिव शरीरों की स्वदेश वापसी की पूरी प्रक्रिया की लगातार निगरानी की तथा भारतीय दूतावास और वियतनाम के अधिकारियों के साथ समन्वय कर प्रक्रिया में तेजी सुनिश्चित की।

आंध्र प्रदेश के मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने शमशाबाद हवाई अड्डे पर पार्थिव शरीर प्राप्त किए और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

आंध्र प्रदेश नॉन-रेजिडेंट तेलुगु सोसायटी (एपीएनआरटीआई) ने कडप्पा, मछलीपट्टनम और हिंदूपुर तक पार्थिव शरीरों को नि:शुल्क पहुंचाने के लिए विशेष एम्बुलेंस की व्यवस्था की। हवाई अड्डे पर परिजनों को पार्थिव शरीर सौंपे जाने के बाद उन्हें अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थानों पर भेज दिया गया।

उल्लेखनीय है कि वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के निकट 11 जुलाई को एक पर्यटक नौका के पलट जाने से 15 भारतीय पर्यटकों की मृत्यु हो गई थी। जिसमें आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटक भी शामिल थे। हादसे के बाद भारतीय दूतावास और दोनों देशों के अधिकारियों के समन्वय से मृतकों के पार्थिव शरीर भारत लाए गए और उन्हें उनके-अपने राज्यों में भेजा गया।

वामपंथी छात्र संगठनों ने फीस वापसी और छात्रवृत्ति का बकाया नहीं मिलने पर विरोध-प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में कई वामपंथी छात्र संगठनों ने मंगलवार को फीस की वापसी और छात्रवृत्ति का बकाया की मांग को लेकर चलो सचिवालय प्रदर्शन किया।

एआईएसएफ, एसएफआई, पीडीएसयू, एआईएफडीएस, एआईएसबी, एआईडीएसओ और एआईपीएसयू से जुड़े सैकड़ों छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए सचिवालय की ओर कूच किया और विरोध-प्रदर्शन करने की कोशिश की।

पुलिस ने बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोका, जिससे हाथापाई हुई और बाद में कई छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर अलग-अलग थानों में भेज दिया गया। इस टकराव के दौरान कुछ छात्रों को मामूली चोटें भी आईं। छात्र संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को जबरन गिरफ्तार करने और सचिवालय तक पहुंचने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रदर्शन से पहले कई जिलों में छात्र नेताओं को एहतियातन गिरफ्तार करने का भी दावा किया।

छात्र नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए फीस वापसी और छात्रवृत्ति का बकाया नहीं मिलने के कारण हजारों गरीब छात्रों द्वारा अपनी पढ़ाई छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षण संस्थानों पर फीस का भुगतान नहीं होने के कारण छात्रों के प्रमाण-पत्र को भी रोके रखने का आरोप लगाया। छात्र संगठनों ने फीस रिइम्बर्समेंट और छात्रवृत्ति के 11,000 करोड़ रुपये के बकाये को एक ही किस्त में तत्काल जारी करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि अगर सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं करती है, तो राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन और तेज किए जाएंगे।

जगन रेड्डी ने मछुआरों के परिवारों के लिए 1 करोड़ मुआवजे की मांग की

विशाखापत्तनम, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने नौका हादसे में मृत छह मछुआरों के प्रभावित परिजनों के लिए 1-1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। श्री जगन रेड्डी ने मंगलवार को उन छह मछुआरों के परिवारों से मुलाकात की, जिनकी नौका समुद्र में पलट गयी थी और उनके शव नहीं मिल पाए। उन्होंने मृतकों के परिजनों से और हादसे में सुरक्षित एकमात्र व्यक्ति से मिलने के बाद मीडिया से कहा कि मछली पकड़ने समुद्र में गये सात मछुआरों की नौका गंगावरम पत्तन से केवल 10 मील दूर डूब गयी थी। चिन्ना ने तैरकर अपनी जान बचायी और एक चीनी नौका ने उसे बचाया।

उन्होंने कहा, चूंकि पूरी जिम्मेदारी सरकार की है, इसलिए उसे छह प्रभावित परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा करनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सत्ता में लौटने पर हम यह वादा पूरा करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.